CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 228 ता. 06 मार्च 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मेरठ: बर्निंग ट्रेन से हा-हाकार

मेरठ के दौराला स्टेशन पर सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, दो कोच जले

मेरठ। शनिवार सुबह पैसेंजर ट्रेन के कोच में आग लग गई। यह हादसा मेरठ शहर से 18 किमी दूर दौराला स्टेशन पर हुआ। बताया जा रहा है कि सहारनपुर से दिल्ली की तरफ जा रही ट्रेन मेरठ के दौराला स्टेशन पर खड़ी हुई थी। अचानक ट्रेन के कोच में धुंआ उठने लगा। सुबह के समय कोहरा पड़ रहा था। सहारनपुर से दिल्ली जानी वाली पेसेंजर ट्रेन दौराला स्टेशन पर रुकी। इसमें यात्री भी सवार होने लगे। इस दौरान यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना कंट्रोल रूम को दी गई। यात्री महेश कुमार ने बताया कि उन्हें मेरठ जाना था, सहारनपुर से सवार हुआ था।

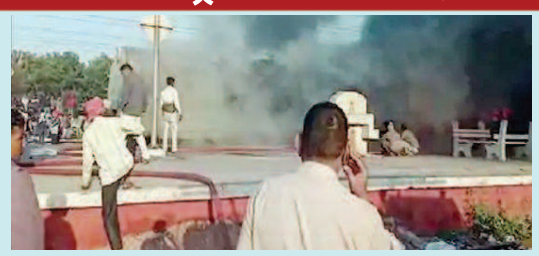

देखा तो ट्रेन के डिब्बे में आग लग गई। ट्रेन में आग की शुरूआत इंजन से शुरू हुई। इंजन के पीछे वाले पेसेंजर डिब्बे ने भी आग पकड़ ली। यात्री ट्रेन से कूदकर जान बचाकर भागते रहे। इस दौरान यात्रियों ने वीडियो भी बना ली। आग से एक कोच जलकर खाक हो गया। इसे रेलवे के अधिकारियों ने ट्रेन से अलग किया। इंस्पेक्टर दौराला नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस मौके पर पर है। उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है। मुख्य अग्नि शमन अधिकारी संतोष कुमार राय ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। दौराला रेलवे स्टेशन पर सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर में आग लगने के बाद दिल्ली-मेरठ रूट भी प्रभावित हो गया है। सुबह के समय कई महत्वपूर्ण ट्रेन वाया मेरठ होकर देहरादून और दिल्ली के लिए जाती हैं। सबसे महत्वपूर्ण ट्रेन दिल्ली से देहरादून के बीच चलने वाली शताब्दी है। शताब्दी को मेरठ सिटी स्टेशन पर रोका गया है। वहीं इसके अलावा जम्मू से चलकर वाया मेरठ होकर दिल्ली जाने वाली शालीमार एक्सप्रेस को सकौती स्टेशन पर रोका गया है। वहीं प्रयागराज से चलकर वाया मेरठ, सहारनपुर को जाने वाली नौचंदी एक्सप्रेस को भी सिटी स्टेशन पर रोका गया है। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनें भी अभी मुजफ्फरनगर खतौली स्टेशन पर रोकी गई हैं। हवा तेज होने के कारण आग को पूरी तरह बुझाने का कार्य प्रभावित हो रहा है।

जम्मू: एसयूवी के खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में एसयूवी के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों के मुताबिक वाहन में सवार लोग पंजाब से श्रीनगर की ओर जा रहे थे और यह हादसा शनिवार को मानसर में जमोदा के पास हुआ। अधिकारियों ने कहा कि जमोदा के पास चालक ने एसयूवी से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वह खाई में जा गिरी। बचावकर्मियों ने पांच लोगों के शव बरामद किए हैं, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। सांबा के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) दीपक जसरोटिया ने कहा, मृतकों की पहचान गुलजार अहमद भट, उनकी पत्नी जारा बेगम और उनके बेटे मोहम्मद इकबाल और बेटी मसरत के रूप में हुई है।

बेटे के साथ थाने पहुंचे केंद्रीय मंत्री नारायण राणे, मानहानि मामले में दर्ज किए बयान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे और उनके विधायक पुत्र नितेश राणे अपने खिलाफ मानहानि के एक मामले में बयान दर्ज कराने शनिवार को यहां मालवणी पुलिस थाने पहुंचे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह मामला, दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान के बारे में कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने और झूठी सूचना फैलाने को लेकर नारायण राणे तथा नितेश के खिलाफ दर्ज किया गया था। अधिकारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और उनके बेटे के अपराह्न लगभग पौने दो बजे वहां पहुंचने पर बड़ी संख्या में राणे के समर्थक पश्चिमी उपनगर स्थित थाने के बाहर जमा हो गये तथा नारेबाजी की। उन्होंने बताया कि पिता-पुत्र मामले में जांच अधिकारी के समक्ष अपने बयान दर्ज कराएंगे। मालवणी पुलिस ने नितेश राणे को एक नोटिस भेज कर बृहस्पतिवार को और उनके पिता को शुक्रवार को जांच अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने को कहा था। लेकिन उन्होंने अपने वकील के जरिये पुलिस को सूचना दी कि चूंकि राज्य विधानमंडल का सत्र चल रहा है और वे उक्त तारीखों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन को प्राथमिकता देंगे तथा शनिवार को पुलिस के समक्ष उपस्थित होंगे। यहां की एक अदालत ने पिता-पुत्र को शुक्रवार को 10 मार्च तक गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण दिया था। मालवणी पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री ने 19 फरवरी को संवाददाता सम्मेलन में कुछ टिप्पणी की थी, जहां उनके पुत्र भी उपस्थित थे।

सहारनपुर: डॉ. भीमराव आंबेडकर के पोस्टर पर पोती कालिख

भीम आर्मी कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

सहारनपुर। जनपद के टपरी में बाबा साहब डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के होर्डिंग पर लगी फोटो पर कुछ शरारती तत्वों ने कालिक पोत दी। वहीं गुस्साए अनुसूचित जाति के लोगों ने जमकर हंगामा किया। भीम आर्मी कार्यकर्ताओं के साथ लोगों ने टपरी-नागल मार्ग पर जाम लगाकर विरोध जताया। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत कराया। इसके साथ ही नया बोर्ड लगाया गया है। क्षेत्रवासियों ने कुछ लोगों पर शक जाहिर करते हुए देहात कोतवाली में तहरीर दी है। देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव संतागढ़ निवासी रूपेश, दिनेश कुमार, राजू, मोनू कुमार व आशु ने बताया कि टपरी चौक पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की फोटो लगा होर्डिंग लगाया था। गुरुवार की शाम तक बोर्ड ठीक अवस्था में था। रात में किसी ने बाबा साहब के फोटो पर कालिख पोत दी। शुक्रवार की सुबह जब गांव के कुछ लोग वहां से गुजरे तो कालिख लगी देखी। इतना ही नहीं, वहां लगे बोर्ड को उखाड़ने की भी कोशिश की गई। इसका पता लगते ही लोगों रोष फैल गया और मौके पर भीम आर्मी के कार्यकर्ता भी एकत्र हो गए। लोगों ने क्षेत्र के कुछ आरोपियों पर कालिक पोतने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। इसके साथ ही जाम लगा दिया। सूचना मिलने पर एसडीएम सदर किंशुक श्रीवास्तव, सीओ द्वितीय नीरज कुमार और देहात कोतवाली इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को शांत कराया। इसके बाद वहां पर नया बोर्ड लगाया गया। क्षेत्रवासियों ने आरोपियों को नामजद करते हुए तहरीर दी है। सीओ का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक सपा में शामिल

आजमगढ़। यूपी विधानसभा चुनाव के आखिरी चरण के मतदान से पहले शनिवार को बड़ी सियासी घटना घटी। भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए हैं। यह एलान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आजमगढ़ में किया। इस दौरान उन्होंने मयंक का मंच पर स्वागत किया और धन्यवाद दिया। सपा प्रत्याशी के समर्थन में गोपालपुर विधानसभा क्षेत्र के भगतपट्टी में शनिवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा का आयोजन किया गया था। जनसभा में भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी भी शामिल रहे। इस दौरान अखिलेश यादव ने उनके सपा में शामिल होने की घोषणा की। मंच से अखिलेश यादव ने कहा कि मयंक के आने से पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कहा कि जो लोग गर्मी निकाल रहे थे वे छह चरणों में ही ठंडे पड़ गए हैं, उनके घरों से झंडे उतार लिए गए। छठे चरण में ही समाजवादी पार्टी ने छक्के छुड़ा दिए हैं। ये बाबा मुख्यमंत्री अब नींद नहीं आ रही है। इसके साथ ही पूर्व जिला पंचायत सदस्य शीला यादव ने भी सपा की सदस्यता ग्रहण की। बता दें कि कुछ दिनों पहले ही मयंक जोशी ने अखिलेश यादव से मुलाकात की थी जिसके बाद से कयास लगाए जा रहे थे कि वह सपा में शामिल होंगे।

जौनपुर में बोले गृहमंत्री अमित शाह

एक और मौका दो, यूपी को कर देंगे माफिया मुक्त

जौनपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर अपराधी और माफिया तत्वों को प्रश्रय देने का आरोप लगाते मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत दिलाने की अपील की और भरोसा दिलाया कि सरकार बनते ही संगठित अपराध के खिलाफ मुहिम को और तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। मल्हनी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी डॉ. केपी सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये शाह ने बाहुबली धनंजय सिंह का नाम लिये बगैर कहा अतीक, मुख्तार और आजम कहां हैं , एक-दो छूट गए हैं। सात मार्च को कमल का बटन दबाना है और 11 मार्च को वह भी वह भी माफिया जेल में होंगे। उन्होंने कहा कि यूपी को अपराध मुक्त बनाने की यात्रा भाजपा ने शुरू की है। मल्हनी में स्वर्गीय उमानाथ सिंह का बहुत बड़ा ऋण है। मल्हनी वाले केपी को जिताकर ये कर्ज सूद समेत लौटा देना है। यूपी को माफिया मुक्त करने का वादा है। उसमें थोड़ी सी कसर छूट गई है। बिना नाम लिए उन्होंने बाहुबली धनंजय सिंह पर निशाना साधा। एक बार मल्हनी में कमल खिला दो वो भी मुख्तार के साथ दिखाई देंगे। शाह ने कहा कि गुंडे और माफिया मल्हनी का विकास नहीं कर सकते। ये संस्कार केपी सिंह के पास है। पीढ़ी दर पीढ़ी केपी सिंह के परिवार ने जौनपुर के विकास में योगदान दिया है। दो हजार करोड़ की भूमि भूमाफियों के कब्जे से छुड़ा ली। पंडित दीन दयाल उपाध्याय के सिद्धांत के अनुसार गरीब कल्याण के लिए भाजपा की सरकार ने काम किया है। उन्होंने कहा कि जब वैज्ञानिकों ने कोविड का टीका ढूंढ लिया तो पीएम ने वैज्ञानिकों के लिए ट्वीट किया। उन्होंने ट्वीट कर वैज्ञानिकों का आभार प्रकट किया था। वहीं दूसरी तरफ अखिलेश यादव ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि मोदी का टीका मत लगवाओ, लेकिन 10 दिन बाद रात के अंधेरे में अखिलेश यादव ने खुद डरकर टीका लगवा लिया। यूपी की जनता ने अखिलेश यादव की बात सुनी, अगर सुनी जाती तो तीसरी लहर का सामना नहीं कर पाते। अखिलेश यादव लोगों की जान की परवाह किए बिना राजनीतिक खिचड़ी पकाते हैं। शाह ने कहा उत्तर प्रदेश में 20 साल बुआ (मायावती) भतीजा (अखिलेश यादव) ने शासन किया मगर उन्हें गरीब को छत और शौचालय की सुविधा देने की चिंता नहीं थी। गरीब की चिंता सिर्फ मोदी और योगी सरकारें करती है। इसका उदाहरण है कि आज गरीब के पास सिर ढकने को छत है और अब उनकी महिलाओं को शौच के लिये बाहर नहीं जाना पड़ता। उन्होने कहा 70 साल की आजादी के बाद गरीब के घर में बीमारी आती थी तो एक गरीब बेटा अपने बाप को मरता देखता था, लेकिन मोदी जी ने आयुष्मान भारत के जरिये पांच लाख का हेल्थ कवर देकर लोगों को एक बड़ी सहूलियत दी। विकास के लिए जितना काम भाजपा ने किया उतना किसी दल ने नहीं किया।

केंद्र का बड़ा फैसला: आवासीय, वाणिज्यिक निर्माण स्थलों पर 10 फीसदी वृक्षारोपण का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। शहरों में प्रदूषण में कमी लाने के लिए पर्यावरण मंत्रालय ने एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। इसके तहत आवासीय और वाणिज्यिक निर्माण स्थलों में उनके भूखंड का कम से कम 10 प्रतिशत क्षेत्रों में वृक्ष लगाने के लिए कहा गया है। मंत्रालय ने 28 फरवरी को भवन निर्माण पर्यावरण प्रबंधन विनियम, 2022 पर एक मसौदा अधिसूचना जारी कर 60 दिनों के भीतर प्रस्ताव पर जनता के सुझाव और आपत्तियां मांगी। यह नियम उन परियोजनाओं पर लागू होंगे जिनमें नई भवन परियोजनाओं का निर्माण और 5,000 वर्ग मीटर से अधिक के निर्मित क्षेत्र वाले पुराने मौजूदा भवनों का विस्तार, नवीनीकरण या मरम्मत शामिल है। मसौदा अधिसूचना में कहा गया है कि प्रत्येक 80 वर्गमीटर भूमि के लिए कम से कम एक पेड़ लगाया जाना चाहिए ताकि पेड़ के कवर के तहत कम से कम 10 फीसदी भूखंड क्षेत्र सुनिश्चित हो सके।

सीआरपीएफ जवान ने अपनी ही ड्यूटी बंदूक से खुद को मारी गोली, मौत

चंदौली। जिले में चुनाव ड्यूटी में आए सीआरपीएफ के एक जवान ने ड्यूटी की रायफल से ही खुद को गोली मार ली। उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। गोली की आवाज सुनते और जवान को लहूलुहान देखकर अन्य जवानों और अधिकारियों में हड़कम्प मच गया। मौके पर पहुंची चकिया कोतवाली की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। सीआरपीएफ की अल्फा 08 उड़ीसा बटालियन की कंपनी चकिया कोतवाली के शिकारगंज स्थित एसआरबीएस स्कूल में रुकी है। कंपनी पर विधानसभा चुनाव कराने की जिम्मेदारी है। इसी कंपनी के साथ सीआरपीएफ में तैनात केरल प्रान्त के कुन्नूर जिले के विपिन दास 38 वर्ष भी आए थे। खाना खाने के बाद सभी जवान बैरक में सो रहे थे। तभी अचानक गोली चलने की आवाज से लोग सन्न रह गए। लोग विपिन दास के पास पहुंचे तो उनके सिर से खून निकल रहा था और उनकी इंसास राइफल और एक खाली बुलेट बगल में गिरी हुई थी अफसरों ने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी।भेज दिया है। हालांकि इस मामले सीआरपीएफ के अफसर इस कुछ बोलने से बच रहे हैं। जवान के द्वारा खुद को गोली मारकर आत्महत्या किए जाने से सभी हतप्रभ है। पुकिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

ब्रज में छाई होली की मस्ती

होली के रसिया पर झूम रहे भक्त, गोवर्धन में गाये जा रहे होली के रसिया

मथुरा। ब्रज में होली की मस्ती पूरे शबाब पर है। यहां की हर नगरी में होली की धूम दिखाई दे रही है। किसी मंदिर में भक्तों पर गुलाल डाला जा रहा है , कहीं टेसू के फूलों से गुलाल तैयार हो रहा है तो कहीं गाये जा रहे हैं होली के रसिया। गोवर्धन में ब्रजवासी भगवान को रसिया सुना रहे हैं तो भक्त रसिया की धूम पर झूम रहे हैं। गोवर्धन के प्रमुख मंदिरों में से एक जतीपुरा गांव स्थित मुकुट मुखारबिंद मंदिर पर फाल्गुन माह में भक्ति की रस धारा बह रही है। यहां भगवान गोवर्धन नाथ के समक्ष ब्रजवासी होली के रसिया गाते हैं और भक्त उनकी धुन पर अपने आप को झूमने से नहीं रोक पाते। पुष्टि मार्गीय सम्प्रदाय के प्रमुख केंद्रों में से एक जतीपुरा का यह मुकुट मुखारबिंद मंदिर इस समय होली की मस्ती में डूबा हुआ है। जतीपुरा स्थित मुकुट मुखारबिंद पर बसंत पंचमी से होली शुरू हो जाती है। यहां पहले भगवान गोवर्धन नाथ को गुलाल लगाया जाता है। इसके बाद शयन आरती के समय भगवान को सुनाए जाते हैं होली के रसिया। ढोल, ढाक की थाप पर ब्रजवासी होली के रसिया गाते हैं और भक्त भक्ति की रस धारा में भाव विभोर हो कर करते हैं नृत्य। यहां की यह होली धूल होली तक चलती है। वृंदावन स्थित राधा बल्लभ मंदिर में भी भगवान जमकर होली खेल रहे हैं। यहां भगवान राधा बल्लभ लाल ने कमर में गुलाल बांधा और भक्तों के साथ खेली जमकर होली। मंदिर के सेवायतों ने भगवान का प्रसादी गुलाल भक्तों पर डाला तो भक्त आनंदित हो उठे। मंदिर में श्रृंगार आरती के बाद हर दिन होली तक अबीर गुलाल की होली खेली जाएगी। ब्रज की होली को और अधिक खास बनाने के लिए ब्रज तीर्थ विकास परिषद पिछले 5 वर्षों से रंगोत्सव कार्यक्रम करता है। इस बार भी इस रंगोत्सव की तैयारियों के लिए शनिवार शाम को मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के सभागार में ब्रज के प्रमुख मंदिरों के प्रबंधकों के साथ एक बैठक रखी गयी है। जिसमें 10 मार्च से 25 मार्च तक मनाए जाने वाले रंगोत्सव की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

आंतरिक गुटबाजी के बीच तमिलनाडु की राजनीति में फिर सक्रिय हुईं शशिकला

नई दिल्ली ।

तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के निधन के बाद एआईएडीएमके की तमिलनाडु की जनता पर फिसली पकड़ को फिर से मजबूत करने के लिए वीके शशिकला और उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरण एक बार फिर से सक्रिय हो गए हैं। इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को शशिकला सीधे संबोधित करने लगी हैं। शशिकला कुछ ही पहले जेल से बाहर आई हैं। इस दौरान एआईएडीएम राज्य में हुए कई चुनावों में बुरी तरह पराजय का सामना करना पड़ा है। पार्टी में पूर्व मुख्यमंत्रियों ओ पनीरसेल्वम और पलानीस्वामी के बीच गुटबाजी चरम पर जा पहुंची है और राज्य के सियासी फलक पर एआईडीएमके की पकड़ हाल के दिनों में कमजोर पड़ी है। एआईएडीएमके को दोबारा सत्ता में वापस लाने के लिए शशिकला एक बार फिर से सक्रिय हो गई हैं। हाल ही में शशिकला को पार्टी के मामले में हस्तक्षेप का मौका मिला था, जब पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक प्रस्ताव पास कर शशिकला को पार्टी की कमान संभालने की सिफारिश की थी। उन्होंने नाराज कार्यकर्ताओं से संयम बरतने की अपील की और राज्य की सत्ता में वापसी का दमखम भरा। इसके अलावा शशिकला राज्य दक्षिणी तमिलनाडु का दौरा कर अपने समर्थकों से भी मिलने की योजना बनाई है। शशिकला दोबारा एआईएडीएमके पर अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती हैं। इसलिए वह पार्टी कार्यकर्ताओं को कभी-कभी संबोधित करती रहती है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पार्टी के संस्थापक एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता की पार्टी में नई जान फूंकने के लिए तैयार रहे हैं। दोनों पांच दशक तक तमिलनाडु में डीएमके के कट्टर विरोधी रहे हैं। हाल ही में एक नया मोड़ आया, जब पिछले सप्ताह पार्टी के संयोजक ओ पनीरसेल्वम के गढ़ थेनी में पार्टी कार्यकर्ताओं ने शशिकला को एआईएडीएमके की बागडोर संभालने के लिए एक प्रस्ताव पास किया। इन कार्यकर्ताओं को शशिकला ने संबोधित किया। हालांकि अचानक हुई इस घटना पर ओ पनीरसेल्वम ने कहा इस घटना से उनका कोई लेना देना नहीं है। इससे पहले ओ पनीरसेल्वम और पलानीस्वामी गुट में झड़प भी हुई। यही मौका था जब शशिकला ने दोनों गुटों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाई। 2016 में जयललिता के निधन के बाद से एआईएडीएमके सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। पार्टी पनीरसेल्वन और पलानीस्वामी के दो गुटों में बंटा है। लेकिन इस बार, अन्नाद्रमुक के मौजूदा नेताओं (ईपीएस और ओपीएस) के लिए शशिकला का प्रस्ताव ऐसे समय में आया है, जब विधानसभा चुनाव और अब शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी का सफाया हो गया है।

यहां तक कि भाजपा ने एआईएडीएमके के गढ़ में चार सीटें जीतकर पार्टी को तीसरे नंबर पर ला दिया है। चेन्नई जैसे महत्वपूर्ण शहर एआईएडीएमके के हाथ से निकल चुका है।

केंद्र ने रिहायशी और वाणिज्यिक निर्माण स्थलों के 10 प्रतिशत हिस्से में वृक्ष लगाने का प्रस्ताव किया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने प्रत्येक 80 वर्ग मीटर स्थान में कम से कम एक वृक्ष लगाने का प्रस्ताव किया है, ताकि रिहायशी और वाणिज्यिक निर्माण स्थलों के कुल क्षेत्र का कम से कम 10 प्रतिशत क्षेत्र हरियाली युक्त हो। मंत्रालय ने 28 फरवरी को जनता से सुझाव और आपत्तियां प्राप्त करने के लिए इमारत निर्माण पर्यावरण प्रबंधन नियामक-2022' की मसौदा अधिसूचना जारी की। जनता और हितधारक 60 दिनों में अपने सुझाव और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। यह नियम पांच हजार वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल की नई इमारत परियोजनाओं, पुरानी बनी इमारतों के पुनरुद्धार या मरम्मत की स्थिति में लागू होगा।

मसौदा अधिसूचना में कहा गया है कि कम से कम प्रति 80 वर्ग मीटर क्षेत्र में एक पौधे को रोपा जाना चाहिए और उसकी देखभाल की जानी चाहिए ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि प्लॉट के कम से कम 10 प्रतिशत इलाकें में पेड़ हों। इस संदर्भ में मौजूदा पेड़ों को भी गिना जाएगा। मसौदा में कहा गया है कि मिट्टी की ऊपरी परत को केवल 20 सेंटीमीटर तक की गहराई से इमारत, सड़क, रास्ते या अन्य बाहरी सेवाओं से लिए हटाया जा सकता है। हटाई गई मिट्टी निर्धारित स्थान पर रखी जानी चाहिए और उनका इस्तेमाल प्रस्तावित स्थान पर वृक्षारोपण के लिए किया जाना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि दलदली इलाकों और जलाशयों पर किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी और निर्माण के लिए भूजल का इस्तेमाल केंद्रीय भू जल प्राधिकरण की बिना पूर्व अनुमति नहीं किया जा सकेगा। मसौदा के मुताबिक खुले स्थान का 20 प्रतिशत हिस्सा बिना कंक्रीट का होना चाहिए और कम से कम 50 प्रतिशत बिना कंक्रीट वाले रास्ते भी इस श्रेणी में माने जाएंगे। मसौदे में कहा गया, जलापूर्ति की दोहरी व्यवस्था होनी चाहिए। एक पीने, खाना बनाने और नहाने आदि के लिए पानी की आपूर्ति करने के लिए और दूसरी शौचालय में डॉलने के लिए शोधित जल। शोधित जल का इस्तेमाल शौचालय में ही किया जाना चाहिए।

मणिपुर में चरमपंथियों को करोड़ों का भुगतान किए जाने के मामले में शीर्ष कोर्ट जाएंगे जयराम रमेश

नई दिल्ली । पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य सरकार द्वारा 'प्रतिबंधित चरमपंथी संगठनों को करोड़ों रुपये का भुगतान किए जाने' के मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं ठहराया है और ऐसे में अब वह शीर्ष न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे। मणिपुर के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ पर्यवेक्षक रमेश ने ट्वीट किया, 'निर्वाचन आयोग ने गत एक फरवरी और एक मार्च को मणिपुर सरकार की ओर से प्रतिबंधित चरमपंथी संगठनों को किए गए भुगतान को आश्चर्यजनक ढंग से आचार संहिता का उल्लंघन नहीं ठहराया है। मैं उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर रहा हूं।' उन्होंने दावा किया कि लंबे अंतराल के बाद चुनाव के समय भुगतान किया गया और इससे राज्य की 11 विधानसभा सीटों पर चुनाव को प्रभावित किया गया है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को आयोग के पास इस मुद्दे और कुछ अन्य विषयों को लेकर आयोग के समक्ष अपना पक्ष रखने के बाद रमेश ने कहा था कि 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन' को लगभग 15 करोड़ रुपये और एक मार्च को लगभग 95 लाख रुपये का भुगतान किया गया जो आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है।

राजधानी कीव समेत कई शहरों में हमले का अलर्ट मिसाइल अटैक कर सकता है रूस

नई दिल्ली । यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध का नौवां दिन है। रूस लगातार अपने हमले तेज कर रहा है। वह अब बड़े शहरों को निशाना बना रहा है। जानकारी के मुताबिक रूसी सेना ने पोर्ट सिटी पर भी कब्जा कर लिया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक यूक्रेन में चेरनिहिव और सुमी में भी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। कीव इंडिपेंडेंट ने एक ट्वीट में कहा, सबसे पहले चेरनिहिव में एयर स्ट्राइक हो सकती है। इसके बाद राजधानी कीव और जाइतोमर सिटी में हमले का अलर्ट जारी किया गया। इसको बाद सुमी में भी हवाई हमले का अलर्ट जारी कर दिया गया। लोगों से कहा गया है कि वे आश्रयगृह में चले जाएं। यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध का आज नौवां दिन है। रूस लगातार अपने हमले तेज कर रहा है। वह अब बड़े शहरों को निशाना बना रहा है। जानकारी के मुताबिक रूसी सेना ने पोर्ट सिटी पर भी कब्जा कर लिया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक यूक्रेन में चेरनिहिव और सुमी में भी हमले का अलर्ट जारी किया गया है। कीव इंडिपेंडेंट ने एक ट्वीट में कहा, सबसे पहले चेरनिहिव में एयर स्ट्राइक हो सकती है। इसके बाद राजधानी कीव और जाइतोमर सिटी में हमले का अलर्ट जारी किया गया। इसको बाद सुमी में भी हवाई हमले का अलर्ट जारी कर दिया गया।

तेजस्वी गरजे बोले- नीतीश 'थके हुए', भाजपा रिमोट कंट्रोल से चला रही है बिहार सरकार

पटना ।

बिहार में सुशासन बाबू नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य विधानसभा में आरोप लगाया कि राज्य में नीतीश सरकार का नेतृत्व एक 'थके हुए' मुख्यमंत्री कर रहे हैं और सरकार उनकी सहयोगी भाजपा द्वारा रिमोट कंट्रोल के जरिए चलाई जाती है। राजद नेता ने यह बात इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य के उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद द्वारा पेश किए गए बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कही। प्रसाद के पास वित्त विभाग भी है। यादव लगभग एक घंटे तक बोले और इस दौरान 71 वर्षीय सीएम नीतीश कुमार के लिए बार-बार 'थके हुए' विशेषण का इस्तेमाल किया। यादव ने कुमार पर 'वही दोहराने' का आरोप लगाया 'जो लोग सड़कों पर कहते सुने जा सकते हैं।' 2005 के बाद से अधिकांश समय बिहार पर शासन करने वाले राजग पर तंज कसते हुए बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री यादव ने सवाल किया कि राज्य में अभी भी 50 प्रतिशत से अधिक आबादी गरीबी रेखा से नीचे क्यों है। उन्होंने विशेष राज्य के दर्जे की बार-बार मांग करने के लिए भी राज्य सरकार का मखौल उड़ाया और इस पर आश्चर्य जताया कि इसमें अड़चन क्यों है जबकि मुख्यमंत्री की जद (यू) केंद्र में भी भाजपा सरकार में भागीदार है। यादव ने तंज कसते हुए सवाल किया, 'आप किससे विशेष दर्जे की मांग कर रहे हैं? अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन या रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से?' उन्होंने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार राज्य के बजट में बढ़ोतरी एवं राज्य बजट के दो लाख करोड़ रुपए से अधिक का होने को लेकर ढिंढोरा पीट रहे हैं लेकिन परिव्यय का एक बड़ा हिस्सा अक्सर अप्रयुक्त रहता है। राजद नेता के आरसीपी टैक्स शब्द कहने से जद (यू) के सदस्य नाराज हो गए। यादव इस शब्द का इस्तेमाल नीतीश कुमार के एक प्रमुख सहयोगी को संदर्भित करने के लिए करते रहे हैं जो वर्तमान में केंद्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य हैं। जब जद (यू) के विधायकों ने इसका विरोध किया, तो यादव ने जवाब दिया, ''मैंने कोई नाम नहीं लिया है।

एलएसी पर पिघलेगी चीन के साथ संबंधों पर जमी बर्फ भारत ने की वार्ता की पेशकश

नई दिल्ली ।

भारत ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जारी सीमा गतिरोध को हल करने के लिए चीन के साथ अगले दौर की बातचीत के लिए सोमवार और मंगलवार का प्रस्ताव रखा है। रिपोर्ट में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। सरकार को रविवार से पहले बीजिंग से प्रतिक्रिया मिलने की उम्मीद है। चर्चा का उद्देश्य दोनों देशों के सैनिकों के बीच जारी गतिरोध को खत्म करते हुए सभी विवादित स्थलों से सैनिकों की वापस बुलाना है। एक अधिकारी ने कहा, बातचीत हॉट स्प्रिंग्स पर केंद्रित हो सकता है। यहां 2020 से दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने हैं। दोनों पक्ष इस मुद्दे को हल करने और शांति बनाए रखने के इच्छुक हैं। इस मुद्दे पर समाधान हो जाने के बाद देपसांग में पीएलए द्वारा भारतीय गश्ती को रोकने जैसे अन्य पुराने मुद्दों को उठाया जाएगा। पिछले दौर की बातचीत के बाद पैंगोंग त्सो, गलवान और गोगरा से सैनिकों की वापसी हुई। आपको बता दें कि मई 2020 में पीएलए द्वारा बड़े पैमाने पर घुसपैठ किए जाने के बाद से कुछ क्षेत्रों में 50,000 से अधिक सैनिक एक-दूसरे का सामना कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की हाल की रूस यात्रा और यूक्रेन में चल रहे घटनाक्रम को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है। भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के साथ, चीन के साथ नियंत्रण रेखा की रक्षा करती है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में नियंत्रण रेखा की कुल लंबाई 3,488 किमी है।

महंगाई की आग को और भड़का रहा रूस-यूक्रेन युद्ध खाद्य तेलों के दामों में 20 फीसदी तक उछाल

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण खाद्य पदार्थों के दामों में लगातार उछाल आ रहा है। खाद्य तेलों की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा अन्य खाद्य सामग्रियों के दामों में भी इजाफा हुआ है। इससे लोगों की रसोई का बजट भी बिगड़ रहा है। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल की मुख्य वजह रूस-यूक्रेन युद्ध के अलावा 10 मार्च को आने वाले चुनाव परिणाम माने जा रहे हैं। लोगों का मानना है कि पांच राज्यों के परिणाम किसी भी राजनीति पार्टी के पक्ष में आए, ऐसे में खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल आना मुमकिन है। इस वजह से खुदरा राशन विक्रेता और लोगों ने खाद्य पदार्थों को स्टॉक करना शुरू कर दिया है। तेल के पदार्थों के दामों में उछाल की वजह रूस-यूक्रेन माना जा रहा है। बड़े राशन विक्रेता विशाल वर्मा ने बताया कि सबसे ज्यादा तेल यूक्रेन से आता है। यूक्रेन से तेल का आयात पूरी तरह बंद हो गया है। ऐसे में दामों में बढ़ोतरी होनी शुरू हो गई है। आने वाले कुछ सप्ताह या महीनों में तेल के दामों काफी इजाफा इसके साथ ही तेल की बिक्री भी कम हो जाएगी। ऐसे में उनके मुनाफे पर भी असर पड़ेगा। इसके साथ ही तेल की बिक्री भी पर भी असर पड़ेगा। सेक्टर-5 के बड़े राशन विक्रेता एसके गुप्ता व डीडी वर्मा ने बताया कि खुदरा दुकानदार अधिक मात्रा में राशन खरीद रहे हैं। खुदरा दुकानदारों ने दुकानों में खाद्य सामग्री स्टॉक करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि चुनाव परिणाम के बाद पूरी संभावना जताई जा रही है कि खाद्य पदार्थों के दामों में उछाल आएगा।

भाजपा राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं समाज और देश बनाने के लिए है : राजनाथ सिंह

जौनपुर ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं समाज और देश बनाने के लिए करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कभी लोगों का विश्वास नहीं तोड़ती है और अपने वादे पूरे करती है। जौनपुर के मल्हनी और चंदौली के चकिया विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित चुनावी जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सिंह ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में पिछले 35-40 साल से किसी एक पार्टी की लगातार दो बार सरकार नहीं बनी है, मगर इस बार भाजपा की सरकार लगातार दूसरी बार बनने जा रही है। उन्होंने कहा, इसलिए मैं कहता हूं कि आप लोग ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं।

सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा 2022 के चुनाव में उतनी ही सीटें जीतेगी जितनी 2017 के चुनाव में जीती थी।

2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों ने 325 सीटों पर जीत हासिल की थी। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, आप लोग प्रत्यक्ष इस बात के साक्षी हैं कि दो साल के कोरोना संकट में सारे कामकाज ठप थे लेकिन इस संकट के बावजूद जिस तेजी के साथ उत्तर प्रदेश का विकास हुआ, विरोधी भले ही उसकी प्रशंसा न करें लेकिन हिंदुस्तान के दूसरे राज्यों में रहने वाले लोग आज उत्तर प्रदेश की प्रशंसा कर रहे हैं। विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, क्या हो गया सपा, बसपा और कांग्रेस के लोगों को, ये समझते हैं कि राजनीति केवल झूठ बोलकर लोगों की आंखों में धूल झोंक कर की जा सकती है, मगर मैं साफ कर देना चाहता हूं कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं की जाती है, बल्कि राजनीति समाज और देश बनाने के लिए की जाती है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए सिंह ने कहा, सच्चा समाजवादी वही है जो आम जनता को भय, भूख और भ्रष्टाचार से छुटकारा दिलाए। इस पैमाने पर अगर माप कर देखेंगे तो इस नतीजे पर पहुंचेंगे कि सचमुच समाजवाद की परिकें अनुरूप काम करने वाली कोई पार्टी देश में है तो उस पार्टी का नाम भारतीय जनता पार्टी है। उन्होंने दोहराया , मैं यह विश्वास के साथ कह सकता हूं कि भाजपा आपका भरोसा कभी नहीं तोड़ेगी। मैं कह सकता हूं कि अगर भाजपा ने कुछ वादा किया है, उसे पूरा करेगी चाहे कोई भी कीमत क्यों न हो, यह भाजपा का चरित्र है। सिंह ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने समेत अन्य कार्यों को सिलसिलेवार गिनाया। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर प्रदेश सरकार की प्रशंसा करते हुए सिंह ने दावा किया कि माफिया और आपराधिक तत्व या तो राज्य से बाहर चले गए हैं या जेल भेज दिए गए हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा आदित्यनाथ ने आपराधिक तत्वों द्वारा निर्मित आलीशान अवैध इमारतों को गिराकर उस जगह पर गरीबों के लिए आवास बनाने का सबसे प्रभावशाली काम किया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोप में बड़ा साइबर अटैक

नई दिल्ली । यूरोप में इंटरनेट कनेक्शन चले जाने से हजारों लोग ऑफलाइन हो गए। बताया जा रहा है कि साइबर अटैक के चलते ऐसा हुआ। ऑरेंज के अनुसार फ्रांस में सहायक कंपनी नॉर्डनेट की तरफ से मुहैया कराई जाने सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस के करीब 9 हजार सब्सक्राइबर्स वायसेट में 24 फरवरी को हुई 'साइबर घटना' के बाद इंटरनेट इस्तेमाल नहीं कर पाए। वायसेट एक अमेरिकी सैटेलाइट ऑपरेटर है। बिगब्लू उपग्रह इंटरनेट सेवा की मूल कंपनी यूटेलसैट ने भी शुक्रवार को बताया कि जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, ग्रीस, इटली और पोलैंड में उसके 40,000 ग्राहक आउटेज से प्रभावित हुए। अमेरिका में वायसैट ने बुधवार को कहा कि एक साइबर घटना यूरोप में यूक्रेन और अन्य जगहों पर ग्राहकों के लिए नेटवर्क आउटेज का कारण बनी, जो इसके केए-सैट उपग्रह से जुड़े थे। वायसैट ने और कोई जानकारी नहीं दी। हालांकि यह बताया कि पुलिस और स्टेट पार्टनर्स को इसकी सूचना मिल चुकी है और इसकी जांच की जा रही है। फ्रांस के स्पेस कमांड के प्रमुख जनरल मिशेल फिडलिंग ने कहा कि साइबर हमला हुआ है। उन्होंने सिविलियन नेटवर्क वायसैट के बारे में बात करते हुए कहा, ÷हमारे पास एक सैटेलाइट नेटवर्क है जो विशेष रूप से यूरोप और यूक्रेन को कवर करता है। यह साइबर हमले का शिकार हुआ, जिसमें दसियों हजार टर्मिनल थे जो हमले के तुरंत बाद निष्क्रिय हो गए।÷ आउटेज ने जर्मनी और मध्य यूरोप में 11 गीगावाट का संयुक्त उत्पादन करने वाले 5,800 पवन टर्बाइनों को भी बंद कर दिया। मैन्युफैक्चरर एनरकॉन ने कहा कि समस्याएं 24 फरवरी को शुरू हुईं, जो कि यूक्रेन आक्रमण का पहला दिन था। इसने कहा कि यूरोप में सैटेलाइट कनेक्शन में बड़े पैमाने पर रुकावट के कारण हजारों पवन ऊर्जा कन्वर्टर्स की निगरानी प्रभावित हुई। पवन टर्बाइनों के लिए कोई खतरा नहीं है, ।

संक्षिप्त समाचार

भीषण आग से श्रीनगर का हड्डी अस्पताल खाक हुआ, सुरक्षित निकाले गए मरीज

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के बोन एंड ज्वाइंट अस्पताल में शुक्रवार रात आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि यहां बारजूला इलाके में स्थित अस्पताल के अंतःरोगी विभाग में आग लग गई। अस्पताल कर्मियों, स्थानीय लोगों और आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने रोगियों को सुरक्षित निकाला और उन्हें दूसरे अस्पतालों में पहुंचाया। आग को काबू करने के लिए शहर के विभिन्न दमकल केंद्रों से वाहनों को भेजा गया। अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चला है। श्रीनगर के बरजुल्ला में स्थित इस सरकारी हड्डी अस्पताल में लगी भीषण आग के बीच वहां पर मौजूद सभी रोगियों और उनके परिचारकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के बाद इस विशेष हड्डी अस्पताल में मौजूद गैस सिलेंडरों और इलाज के लिए रखे गए उपकरणों में विस्फोट के कारण भारी धमाकों की आवाज सुनी गई। जब तीन मंजिला इमारत में आग लगी तो सभी वार्ड मरीजों और परिचारकों से भरे हुए थे। हड्डी अस्पताल में 250 बिस्तर हैं। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल पाया है। अस्पताल में मौजूद लोगों ने बताया कि आग को सबसे पहले इमरजेंसी थिएटर में देखा गया और बाद में ये ट्रॉमा और इमरजेंसी सहित सभी वार्डों में तेजी से फैल गई। श्रीनगर के उपायुक्त एजाज असद ने बताया कि इस आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। सभी मरीजों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। उन्होंने ये भी बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

जम्मू- अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ जवानों ने पाक के संदिग्ध ड्रोन पर की फायरिंग

जम्मू । जम्मू के समीप अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन दिखाई देने पर उस पर गोलीबारी की। अधिकारियों ने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए सघन तलाश अभियान चलाया गया कि कहीं ड्रोन से हथियार अथवा मादक पदार्थ तो नहीं गिराए गए। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने कहा कि बल के जवानों ने उड़ने वाली संदिग्ध वस्तु पर उस समय गोलीबारी की जब वह अरनिया के नागरिक इलाके में सुबह करीब चार बजकर 10 मिनट पर दाखिल हुआ। प्रवक्ता ने कहा, 'अरनिया के इलाके में बीएसएफ के जवानों ने सुबह 4:10 बजे एक संदिग्ध ड्रोन की आवाज सुनी। सैनिकों ने आवाज की दिशा में गोलियां चलाईं।' उन्होंने बताया कि पुलिस की मदद से इलाके की घेराबंदी की गई और तलाश अभियान चलाया गया। अधिकारियों ने कहा कि बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन देखने के 10 मिनट के भीतर करीब 18 गोलियां चलाईं।

जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में हादसा एसयूवी के खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत और एक घायल

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में एसयूवी के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। अधिकारियों के मुताबिक वाहन में सवार लोग पंजाब से श्रीनगर की ओर जा रहे थे और यह हादसा शनिवार को मानसर में जमोदा के पास हुआ। अधिकारियों ने कहा कि जमोदा के पास चालक ने एसयूवी से नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद वह खाई में जा गिरी। एसयूवी में छह लोग सवार थे। बचावकर्मियों ने पांच लोगों के शव बरामद किए हैं, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। सांबा के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) दीपक जसरोटिया ने कहा, ÷मृतकों की पहचान गुलजार अहमद भट, उनकी पत्नी जारा बेगम और उनके बेटे मोहम्मद इकबाल और बेटी मसरत के रूप में हुई है, जबकि छठे व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। ड्राइवर साकिब बुरी तरह घायल है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दूसरी तरफ, जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा की मदद करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों के पास से हथियार समेत अन्य चीजें बरामद की गईं। प्रवक्ता ने कहा, सुरक्षाबलों ने जिले के खुदपोरा में एक सचल नाका स्थापित किया था। जांच के दौरान तीन व्यक्तियों की गतिविधि पर शक हुआ और उन्हें रुकने को कहा गया। इस पर उन्होंने रुकने की बजाय भागने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के कारण उन्हें पकड़ लिया गया।

यूक्रेन के न्यूक्लियर प्लांट पर रूसी हमले ने बढ़ाई विश्वयुद्ध की आशंका

नई दिल्ली । रूसी सैनिकों ने यूरोप में सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। इसके साथ ही दुनिया पर विश्वयुद्ध का खतरा मंडराने लगा है। संयुक्त राष्ट्र और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि अग्निशामकों की मदद से संयंत्र में लगी आग को बुझा ली गई। हालांकि इससे अधिक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। आपको बता दें कि रूसी सेना ने कई शहरों को कब्जे में ले लिया है। हालांकि शुक्रवार की लड़ाई में उस हिसाब से सफलता नहीं मिली। इस बीच यूक्रेन छोड़कर भागे शरणार्थियों की संख्या 12 लाख से अधिक हो गई है। यूक्रेन पर हमले को लेकर दुनिया भर में रूस की निंदा हो रही है। क्रेमलिन ने फेसबुक, ट्विटर, बीबीसी और यू.एस. सरकार द्वारा वित्त पोषित वॉयस ऑफ अमेरिका को बैन कर दिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए, जिसके अनुसार युद्ध पर रूसी सरकार की आधिकारिक लाइन के खिलाफ जाने वाले फर्जी खबरें फैलाने के लिए 15 साल तक की जेल की सजा दी जा सकती है। इस पाबंदियों के बाद मीडिया और सोशल मीडिया आउटलेट्स ने कहा कि वे स्थिति का मूल्यांकन करते समय रूस के अंदर अपना काम रोक देंगे यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूसी कब्जे का खतरा मंडरा रहा है। विशाल संख्या में रूसी बख्तरबंद राजधानी के बाहर रुका हुआ है। पुतिन की सेना ने यूक्रेन के शहरों और अन्य साइटों पर सैकड़ों मिसाइलें दागे और तोपखाने से हमले शुरू किए हैं। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी ने दक्षिणपूर्वी शहर एनरहोदर में ज़ापोरिज्जिया परमाणु संयंत्र पर हमले को लेकर कहा कि रूसी मिसाइल ने एक प्रशिक्षण केंद्र को तबाह कर दिया। हालांकि, सभी छह रिएक्टर सुरक्षित हैं।

एलन मस्क बोले- जब तक बंदूक की नोक पर नहीं कहा जाएगा, रूसी संगठनों को ब्लॉक नहीं करेंगे

वॉशिंगटन ।

यूक्रेन पर सुपरपावर रूस के हमले के चलते दुनिया के मिलेनियर और स्टारलिंक इंटरनेट कंपनी के मालिक एलन मस्क ने कहा कि उनकी कंपनी से को कुछ सरकारों (यूक्रेन शामिल नहीं) की ओर से कहा गया है कि वह रूस के न्यूज संगठनों को अपने प्लेटफार्म से ब्लॉक कर दें। मस्क ने कहा कि वह अभिव्यक्ति की आजादी के समर्थक हैं और जब तक बंदूक की नोक पर नहीं कहा जाएगा, वह रूसी संगठनों को ब्लॉक नहीं करेंगे। ट्विटर पर यह कहे जाने पर कि रूसी न्यूज संगठन प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं, इस पर एलन मस्क ने करारा जवाब देते हुए कहा कि सभी न्यूज स्रोत आंशिक रूप से प्रोपेगैंडा ही फैलाते हैं। कुछ ऐसे होते हैं जो दूसरों से ज्यादा करते हैं। यूक्रेन की जंग को देखते हुए उन्होंने यह भी कहा, मुझे यह कहने में घृणा हो रही है लेकिन हमें तेल और गैस का उत्पादन तत्काल बढ़ाना होगा। असाधारण समय में असाधारण कदम उठाने की जरूरत होती है। बता दें कि कई अमेरिकी कंपनियों ने रूसी मीडिया संगठनों को अपने प्लेटफार्म से ब्लॉक कर दिया है और मस्क पर भी ऐसा करने के लिए दबाव डाला जा रहा था। मस्क ने चेतावनी दी कि स्टारलिंक केवल एकमात्र गैर रूसी कम्यूनिकेशन सिस्टम है जो अभी भी यूक्रेन के कुछ हिस्सों में काम कर रहा है। इसलिए उसको निशाना बनाए जाने की आशंका ज्यादा है। कृपया इसे इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें। इससे पहले रूस के जोरदार हमलों का सामना कर रहे यूक्रेन की मदद के लिए एलन मस्क भी आगे आए थे।

यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री मयखैलो फेदोरोव के अनुरोध करने पर मस्क ने तत्काल यूक्रेन को अंतरिक्ष से इंटरनेट देना शुरू कर दिया था। यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री ने मस्क को ट्वीट करके कहा कि रूस की ओर से लगातार साइबर हमले किए जा रहे हैं और हमें आपके मदद की तुरंत जरूरत है।

यूरोप में बड़े साइबर अटैक की आशंका, हजारों यूजर्स हुए ऑफलाइन : रिपोर्ट

पेरिस ।

यूक्रेन में रूस की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच यूरोप में 'साइबर हमले' की आशंका जताई जा रही है। खबर है कि इसे कई देशों के हजारों इंटरनेट यूजर्स प्रभावित हुए हैं। सैन्य और साइबर जानकारों को डर है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी तनाव के चलते साइबर हमलों की लहर आ सकती है, जिसका असर दुनियाभर पर पड़ सकता है। आउटेज के चलते जर्मनी और मध्य यूरोप में हजारों विंड टर्बाइन भी असर पड़ा है। यूरोप में हजारों इंटरनेट यूजर्स प्रभावित हुए। सूत्रों ने संभावना जताई है कि यह साइबर हमला हो सकता है। फ्रांस में सहायक कंपनी नॉर्डनेट की तरफ से मुहैया कराई जाने सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के करीब 9 हजार सब्सक्राइबर्स वायासेट में 24 फरवरी को हुई एक 'साइबर घटना' के बाद इंटरनेट इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। वायासेट, एक अमेरिका सैटेलाइट ऑपरेटर है। बिगब्लू सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि शुक्रवार को बिगब्लू के यूरोप, जर्मनी, फ्रांस, हंगरी, ग्रीस, इटली और पोलैंड के 40 हजार में से एक तिहाई सब्सक्राइबर्स वायासेट में आउटेज के बाद प्रभावित हुए थे। अमेरिका में वायासेट ने बुधवार को कहा कि साइबर घटना के चलते यूरोप में 'यूक्रेन और कुछ जगहों पर' आंशिक रूप से नेटवर्क बंद हुआ था। इसके कारण उनकी केए-सैट सैटेलाइट पर निर्भर रहने वाले ग्राहक प्रभावित हुए थे।

इधर, फ्रांस के स्पेस कमांड प्रमुख जनरल मिशेल फ्रीडलिंग ने कहा साइबर हमला हुआ था। उन्होंने कहा अभियान शुरू होने के बाद कई दिनों तक हमारा एक सैटेलाइट नेटवर्क है, जो खासतौर से यूरोप और यूक्रेन को कवर करता है, वह साइबर अटैक का शिकार बना था। लाखों टर्मिनल अटैक के कुछ समय बाद ही निष्क्रिय हो गए थे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा, विशाल धमका और यूरोप का अंत होगा

कीव ।

रूसी सैनिकों ने यूरोप में सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला कर उस अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद दुनिया पर विश्वयुद्ध का खतरा मंडराने लगा है। संयुक्त राष्ट्र और यूक्रेन के अधिकारियों ने कहा कि अग्निशामकों की मदद से संयंत्र में लगी आग को बुझा ली गई। हालांकि इससे अधिक कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। बता दें कि रूसी सेना ने कई शहरों को कब्जे में ले लिया है। हालांकि शुक्रवार की लड़ाई में उस हिसाब से सफलता नहीं मिली। इस बीच यूक्रेन छोड़कर भागे शरणार्थियों की संख्या 12 लाख से अधिक हो गई है। यूक्रेन पर हमले को लेकर दुनिया भर में रूस की निंदा हो रही है। क्रेमलिन ने फेसबुक, ट्विटर, बीबीसी और यू.एस. सरकार द्वारा वित्त पोषित वॉयस ऑफ अमेरिका को बैन कर दिया है। राष्ट्रपति पुतिन ने एक कानून पर हस्ताक्षर किए, जिसके अनुसार युद्ध पर रूसी सरकार की आधिकारिक लाइन के खिलाफ जाने वाले फर्जी खबरें फैलाने के लिए 15 साल तक की जेल की सजा दी जा सकती है। इस पाबंदियों के बाद मीडिया और सोशल मीडिया आउटलेट्स ने कहा कि वे स्थिति का मूल्यांकन करते समय रूस के अंदर अपना काम रोक देने वाले है। कई न्यूज चैनलों ने घोषणा की कि वे रूस में प्रसारण बंद कर देने वाले है। ब्लूमबर्ग ने वहां अपने पत्रकारों के काम को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। कीव पर रूसी कब्जे का खतरा मंडरा रहा है। विशाल संख्या में रूसी बख्तरबंद राजधानी के बाहर रुका हुआ है। पुतिन की सेना ने यूक्रेन के शहरों और अन्य साइटों पर सैकड़ों मिसाइलें दागे और तोपखाने से हमले शुरू किए हैं। उधर वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें एक इसतरह के विस्फोट की आशंका है ।

चीनी अधिकारी ने अमेरिका से कहा- चीन को निशाना नहीं बनाइए

बीजिंग ।

चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अमेरिका को चीन की आर्थिक प्रगति और विकास के चलते उसे अपना एक रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी मान कर टकराव नहीं करना चाहिए। चीन की संसद, नेशन पीपुल्स कांग्रेस(एनपीसी), के प्रवक्ता झांग येसुई ने यहां एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि चीन के विकास को एक बहाना बनाने और चीन को एक रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानने पर दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास एवं सहयोग में सिर्फ कमी ही आएगी। साथ ही इससे अमेरिका के खुद के हितों को नुकसान पहुंचेगा। चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धी का व्यवहार करने वाले बाइडन प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि कहीं अधिक आक्रामक और निरंकुश चीन को दीर्घकाल में पछाड़ने के लिए अपने लोगों, अपनी अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र में निवेश करना होगा। शिंजियांग, तिब्बत और हांगकांग में मानवाधिकार हनन सहित कई मुद्दों को लेकर अमेरिका, यूरोपीय संघ और इसके सहयोगियों की ओर से चीन व्यापार प्रतिबंधों का सामना कर रहा है। एनपीसी और चाइनीज पीपुल्स पॉलिटिकल कंस्लटेटिव कांफ्रेंस की शुक्रवार से यहां हफ्ते भर से अधिक समय तक चलने वाले वार्षिक सत्र की शुरूआत हुई। राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली केकियांग इसके उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। एनपीसी की कार्यवाही शनिवार से शुरू हो गई है। झांग ने कहा कि चीन और अमेरिका के बीच स्थिर संबंध दोनों देशों के विकास के लिए अच्छा है।

संक्षिप्त समाचार

परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले को लेकर अमेरिका और उसके सहयोगी राष्ट्रों ने रूस को घेरा

जिनेवा । यूक्रेन पर रूस के तेज होते हमले के बीच अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर यूक्रेन के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमला करने और लाखों यूरोपीय लोगों की जिंदगी जोखिम में डालने का गंभीर आरोप लगाया है। हालांकि रूस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया है कि परमाणु ऊर्जा संयंत्र के एक प्रशिक्षण सुविधा केंद्र में आग लगाने के लिए यूक्रेन का एक समूह जिम्मेदार था। जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास आग लगने की तस्वीरें आने के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपातकालीन बैठक में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि परमाणु ऊर्जा संयंत्र में विकिरण के स्तर में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। आईएईए के महानिदेशक मारियानो ग्रॉसी के मुताबिक परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के लिए कौन जिम्मेदार है, इस बारे में अभी पुख्ता जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नजदीक स्थित एक इमारत के पास यह हमला हुआ था। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले जानकारी मिली थी कि रूस की सेना जपोरिजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर नियंत्रण पाने के लिए उस ओर बढ़ रही है। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने रूस पर ही परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले का आरोप लगाया है। सुरक्षा परिषद की यह आपातकालीन बैठक अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, नॉर्वे, आयरलैंड और अल्बानिया द्वारा बुलाई गई थी।

रुस ने की सीजफायर की घोषणा, फंसे हुए लोगों को निकालने की तैयारी

मॉस्को । रूस-यक्रेन जंग के बीच बड़ी खबर आ रही है। रूस की ओर से यूक्रेन में सीजफायर की घोषणा की गई है। भारतीय समय के अनुसार सुबह साढ़े 11 बजे सीजफायर किया गया। इसमें कहा गया है कि जब तक यहां फंसे हुए लोगों को निकाल नहीं लिया जाता, तब तक हमले नहीं किए जाएंगे। बता दें कि बीते 10 दिन से यूक्रेन में जंग जारी है। रूस लगातार यूक्रेन पर हमले कर रहा है। इस बीच ये जानकारी आई है कि रूस ने अब सीजफायर की बात कही है। बता दें कि दोनों देशों के बीच 2 दौर की वार्ता हो चुकी है। जबकि तीसरे दौर की बात संभवतः आज या कल में होगी है।गौरतलब है कि यूक्रेन में अभी भी कई लोग फंसे हुए हैं। इसमें भारतीय छात्र भी शामिल हैं। इसके बाद उन सभी लोगों के लिए ये राहत की खबर है। बता दें कि यूक्रेन में फंसे लोगों को निकालने के लिए सीजफायर का फैसला लिया गया है। शनिवार को सीजफायर की घोषणा से पहले बुका में रूसी सेना ने आम जनता पर गोली बारी हुई हैं। यूक्रेनी मीडिया ने दावा किया है कि रूसी सैनिकों ने बुका में कार पर भी जमकर फायरिंग की है। हादसे में 17 साल की लड़की सहित 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि 4 लोग घायल हो गए। इतना ही नहीं, रूसी सेना ने कीव के बाहर इरपिन शहर में भी शनिवार को सैन्य अस्पताल पर बमबारी की गई है। इरपिन शहर में सुबह से ही रूसी सैनिकों ने जबर्दस्त गोलाबारी की है। यहां सुबह से ही एयर रेड साइरन भी बज रहे हैं। बता दें कि सीजफायर के तहत यूक्रेन के वोल्नोवाखा के डीपीआर शहर में एक ह्यूमन कॉरिडोर बनाया जाएगा। इसके जरिए फंसे हुए लोगों को निकाला जाएगा।

बाइडन की क्वाड नेताओं से बातचीत रचनात्मक : व्हाइट हाउस

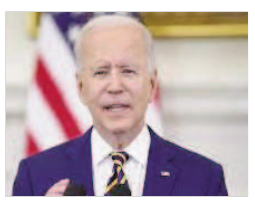

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि यूक्रेन संकट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित क्वाड नेताओं के साथ उनकी बातचीत रचनात्मक रही। बाइडन ने एक बार फिर से कहा कि चार देशों के इस समूह (क्वाड) की प्रतिबद्धता हिंद-प्रशांत क्षेत्र सहित विश्व भर में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति है। क्वाड भारत, अमेरिका,जापान और ऑस्ट्रेलिया चार देशों का संगठन है। बाइडन की मेजबानी में हुई क्वाड की ऑनलाइन बैठक में मोदी के अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा भी शामिल हुए। इन नेताओं ने बैठक में यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान तथा पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र (यक्रेन) में इससे पैदा हुए मानवीय संकट पर चर्चा की। वहाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति को लगता है कि बातचीत रचनात्मक रही। वहाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि क्वाड नेताओं ने साल के अंत में तोक्यो में व्यक्तिगत रूप सेमिलने पर भी सहमति जताई। बाइडन ने बैठक के बाद एक ट्वीट मिलने पर भी सहमति जताई। बाइडन ने बैठक के बाद एक ट्वीट में कहाकि क्वाड के अपने साथियों प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री किशिदा फुमिओ के साथ बैठक की और यूक्रेन पर रूस के चल रहे हमले तथा हिंद-प्रशांत सहित दुनिया भर में संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर चर्चा की।

दक्षिण कोरिया के जंगल में भड़की आग, 90 घर जले

सियोल । दक्षिण कोरिया के पूर्वी तटीय क्षेत्र के जंगल में भड़की भीषण आग ने भारी क्षति पहुंचाई है। आग बुझाने के लिए शनिवार को लगभग दो हजार दमकलकर्मियों और सैनिकों को तैनात किया गया है। इस आग से परमाणु संयंत्र और तरल प्राकृतिक गैस संयंत्र को अस्थायी रूप से खतरा पैदा हो गया है। यह आग समुद्र की ओर बसे उल्जिन शहर की पहाड़ियों पर शुक्रवार की सुबह लगी थी और अब यह लगभग तीन हजार हेक्टेयर के क्षेत्र में फैल चुकी है। आग सैमचियोक शहर के करीब पहुंच चुकी है और अब तक इसकी चपेट में आकर 90 मकान और अन्य इमारतें नष्ट हो चुकी हैं और लगभग छह हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दक्षिण कोरिया के आतंरिक और सुरक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि हालांकि, इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि वे आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आग तेज हवाओं और शुष्क मौसम की वजह से तेजी से फैल रही है। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह 1,950 से अधिक दमकलकर्मी और उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों ने रातभर अभियान चलाकर आग की लपटों को सैमचियोक स्थित एलएनजी उत्पादन केंद्र तक पहुंचने से रोक दिया।

एफएटीएफ के आदेशों का पालन करने में विफल पाक खुद आतंकी समस्या से जूझ रहा

पेरिस ।

आंतकवाद पूरी दुनिया के लिए बड़ी समस्या बन गया है। आतंकवादियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान भी इस समस्या से जूझ रहा है। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की तरफ से एक बार फिर से पाकिस्तान को झटका मिला है। पाकिस्तान की धरती पर रहने वाले संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित आतंकवादियों के आतंक के वित्तपोषण के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रहा है। पाकिस्तान लगभग चार साल से एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में है। शनिवार को एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी वित्तपोषण पर नजर रखने वाले एफएटीएफ ने पाकिस्तान को अपने आतंकवाद के वित्तपोषण लिस्ट बरकरार रखा है और इस्लामाबाद को अपनी वित्तीय प्रणाली में शेष कमियों को जल्द से जल्द दूर करने के लिए कहा है। पाकिस्तान जून 2018 से पेरिस स्थित फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में है, जो मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने में विफल रहा है, जिसके कारण आतंकी वित्तपोषण हुआ है, और इसे अक्टूबर 2019 तक पूरा करने के लिए कार्य योजना दी गई थी। तब से, एफएटीएफ के आदेशों का पालन करने में विफलता के कारण देश उस सूची में बना हुआ

स्थित फाइनैंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) धनशोधन एवं आतंकी वित्तपोषण की निगरानी करने वाली वैश्विक संस्था है। पाकिस्तान पर लगाम लगाने में नाकाम रहने के कारण जून 2018 से एफएटीएफ की ग्रे सूची में है। निर्धारित लक्ष्यों को अक्टूबर 2019 तक पूरा करने के लिए उसे एक कार्य योजना दी गई थी। 'द डॉन' के मुताबिक, एफएटीएफ की पूरक बैठक का समापन सत्र शुक्रवार को होना है और इसके एजेंडे म अखबार के अनुसार, पाकिस्तान अब जनवरी 2023 के अंत तक से निपटने से जुड़ी 2021 की काम कर रहा है।

यक्रेन के शहरों पर रूसी सैनिक नहीं कर रहे बमबारी, यूक्रेन हमारी मांगों पर गौर करे तो बातचीत को राजी : पुतिन

मॉस्को ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने जर्मन चांसलर ओलाफ स्कॉल्ज के साथ एक फोन कॉल में इस बात से इनकार किया कि रूसी सैनिक यूक्रेन के शहरों पर बमबारी कर रहे हैं। इस तरह की जानकारी को रूस के राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने फर्जी बताया है। क्रेमलिन ने अपने एक बयान में कहा कीव और अन्य बड़े शहरों में कथित रूप से चल रहे हवाई हमलों को पुतिन ने पूरी तरह से घोर फर्जी प्रचार बताया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर बातचीत तभी संभव होगी जब रूस की मांगें पूरी होंगी। क्रेमलिन ने कहा, पुतिन ने पुष्टि की कि रूस यूक्रेनी पक्ष के साथ-साथ यूक्रेन में शांति चाहने वाले सभी लोगों के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इसके लिए शर्त यही है कि सभी रूसी मांगें पूरी हों। इन शर्तों में यूक्रेन की तटस्थ और गैर-परमाणु स्थिति व इसका 'अस्वीकरण', क्रीमिया को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता और पूर्वी यूक्रेन में अलगाववादी क्षेत्रों की संप्रभुता शामिल है। क्रेमलिन ने आगे कहा, आशा व्यक्त की गई थी कि तीसरे दौर की वार्ता के दौरान कीव के प्रतिनिधि उचित और रचनात्मक रुख अपनाएंगे। यूक्रेन और रूस के वार्ताकारों ने गुरुवार को कहा था कि युद्ध पर तीसरे दौर की वार्ता जल्द होगी। पोलैंड की सीमा के समीप बेलारूस में गुरुवार को वार्ता में रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के सलाहकार व्लादिमीर मेदिन्स्की ने कहा कि दोनों पक्षों की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है, संघर्ष के राजनीतिक समाधान से संबंधित मुद्दों समेत एक-एक बात लिखी गई है। इस बीच, यूक्रेन की सरकार और एक पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री इस बात पर जोर दे रहे हैं कि यूक्रेन पर हमले के मामले में एक विशेष अपराध न्यायाधिकरण में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और उनके सहयोगियों पर मुकदमा चलाया जाए। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन ने कहा कि हमलों के अपराध की जांच के लिए एक अधिकरण बनाने की मांग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नाजियों पर न्यायाधिकरणों में मुकदमा चलाए जाने के मामलों पर आधारित है। नीदरलैंड स्थित अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत यूक्रेन में युद्ध अपराध के आरोपों पर रूस के खिलाफ आरोपों की जांच कर रही है। ब्राउन ने कहा कि रूस द्वारा हमले के इस कृत्य को बिना जांच, बिना अभियोजन और बिना दंड के नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा पुतिन को न्याय के कटघरे में आना ही होगा। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने न्यायाधिकरण में मुकदमा चलाने की अपील का स्वागत किया। इस अपील को दुनियाभर के कानून विशेषज्ञ और अकादमिक क्षेत्र के लोग समर्थन दे रहे हैं। कुलेबा ने लंदन में हुई एक बैठक को यूक्रेन में रहते हुए डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा हम ऐसे शत्रु से लड़ रहे हैं, डजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कहा हम ऐसे शत्रु से लड़ रहे हैं, जो हमसे बहुत अधिक शक्तिशाली है लेकिन अंतरराष्ट्रीय कानून हमारे साथ है।

अमेरिकी सीनेट के उच्च सदन को संबोधित करेंगे जेलेंस्की

कीव । यक्रेन पर हमला करने वाले रूस ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु पावर प्लांट पर कब्जा जमा लिया है। साथ ही कीव पर भी बमबारी शुरू हो चुकी है। यूक्रेन फिलहाल जंग में बैकफुट पर दिख रहा है, लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की लड़ाई को नैरेटिव पर लड़ रहे हैं। इसी कड़ी में अमेरिकी सीनेट के उच्च सदन को संबोधित करने वाले है। इससे पहले यूरोपियन यूनियन की पार्लियामेंट को भी संबोधित कर चुके हैं। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी सूचना वारफेयर की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। एक तरफ उन्होंने देश में फेसबुक और ट्विटर पर बैन लगा दिया है, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने सेना के खिलाफ फेक न्यूज फैलाने वालों को 15 साल की सजा का ऐलान किया है। इस संबंध में लाए गए विधेयक पर पुतिन ने हस्ताक्षर कर दिए। इतना ही नहीं सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विशेष सत्र भी बुलाया गया है, जिसमें यूक्रेन में खड़े हुए मानवीय संकट पर चर्चा होगी। हालांकि जंग में यूक्रेन को नाटो से बड़ा झटका लगा है। जेलेंस्की ने नाटो से मांग की थी कि यूक्रेन को नो-फ्लाई जोन घोषित किया जाए। लेकिन नाटो ने खारिज कर दिया है। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि इस तरह से आपने यूक्रेन में जारी हवाई हमलों को एक तरह से हरी झंडी दे दी है। यूक्रेन पर फरवरी के आखिरी सप्ताह में हुए हमले के बाद से अब तक करीब 12 लाख लोग देश छोड़कर पलायन कर चुके हैं। अमेरिका ने कहा कि रूस की ओर से न्यूक्लियर प्लांट पर अटैक किया जाना घोर लापरवाही है। गौरतलब है कि रूस पर माइक्रोसॉफ्ट, एप्पल, ट्विटर, फेसबुक और गूगल सहित कई टेक कंपनियों ने कड़ी पाबंदियां लगा दी हैं। यूट्यूब की ओर से रूस के सरकारी टीवी चैनलों रशिया टुडे और स्पूतनिक के चैनलों को ब्लॉक कर दिया है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार बोले- रूसी सेना को पड़ रहा नाको चने चबाना

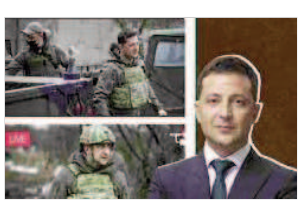

कीव ।

यूक्रेन में रूसी हमले के घमासान का 10वां दिन हो गया पर जंग है कि थमने का नाम नहीं ले रही है। तेद प्रयासों के बाद अभी भी व्लादिमीर पुतिन की सेना राजधानी कीव में घुस नहीं पाई है। यूक्रेन की सेना का दावा है कि अब तक की लड़ाई में 9,166 रूसी जवान मारे गए हैं। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के सलाहकार अलेक्सेय अरेस्टोविच ने कहा है कि यूक्रेन की सेना को दुर्घटनावश या भाग्यवश सफलता नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन की सेना एक सीक्रेट प्लान के तहत आगे बढ़ रही है और इसी वजह से उन्हें सफलता मिल रही है। अलेक्सी ने फेसबुक पर लिखे अपने एक पोस्ट में कहा, हमारी एक सफलता एक पैटर्न है जो विशेष रूप से बनाई गई है और स्पष्ट रूप से लागू की गई है। उन्होंने दावा किया कि सशस्त्र बलों और आम जनता की ओर से किए जा रहे प्रतिरोध से रूसी सेना को पराजित करेंगे। उन्होंने कहा, रूसी सेना मजबूत नहीं है, यह केवल विशाल है। अलेक्सी ने कहा कि विदेशी रक्षा अधिकारी इस बात से आश्चर्य में हैं कि कितनी अच्छी तरह से यूक्रेन की सेना और उसका नेतृत्व इस युद्ध को लड़ रहा है। यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार ने यह भी दावा किया कि इतने बड़े हमले के खिलाफ बहुत कम समय मिलने के बाद भी हमें सफलता मिल रही है। उन्होंने कहा, पुतिन के 10 में से 8 सैनिक यहां पर हैं। यह वह जगह है जहां उन्हें दफन किया जाएगा। इससे पहले यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि मास्को की ओर से नौ दिन पहले कीव पर सैन्य हमले शुरू करने के बाद से अब तक कम से कम 9,166 रूसी जवान मारे गए हैं। मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि 24 फरवरी से शुक्रवार तक रूस ने 939 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, 404 यूनिट ऑटोमोबाइल उपकरण, 251 टैंक, 105 आर्टिलरी सिस्टम, 60 ईंधन टैंक, 50 मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर, 37 हेलीकॉप्टर, 33 विमान भी नष्ट कर दिए हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इन नंबरों को और स्पष्ट किया जा रहा है क्योंकि 'सैन्य अभियानों की उच्च तीव्रता के कारण सटीक गणना मुश्किल है।' शुक्रवार को भी एक फेसबुक पोस्ट में, यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ ने खुलासा किया कि रूस अभी भी कीव पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है, इसने अधिकांश परिचालन भंडार को समाप्त कर दिया है और दक्षिणी और पूर्वी सैन्य जिले मेंअतिरिक्त बलों और संसाधनों के हस्तांतरण की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें कहा गया है कि रूसी सैनिकों का एक समूह काला सागर में नौसैनिक ठिकानों से हट गया है, हालांकि वे 'जातोका में नौसैनिकों के उतरने की तैयारी' कर रहे हैं। पोस्ट में आगे कहा गया है कि रूसी सैनिकों ने एक अन्य रणनीतिक शहर खेरसान पर कब्जा करने के एक दिन बाद बंदरगाह शहर मारियुपोल को घेरने में कामयाबी हासिल की है। नौ दिन पहले शुरू हुए हमले के बाद से खेरसान रूसी सेना के हाथ आने वाला पहला बड़ा शहर बन गया है। इसके अलावा शुक्रवार को, रूसी सैनिकों ने कब्जा कर लिया, जहां पहले दिन में गोलाबारी के कारण आग लग गई थी।

सुविचार जो भारी कोलाहल में भी संगीत को सुन सकता है, वह महान उपलब्धि को प्राप्त करता है। - डॉ. विक्रम साराभाई

संपादकीय

धमाके से सबक

भागलपुर में हुआ हादसा न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों की जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भागलपुर के तातारपुर थाना क्षेत्र के काजवलीचक मोहल्ले में गुरुवार रात करीब पौने 12 बजे एक घर में जोरदार धमाका हुआ, जिससे कुल तीन घर जमींदोज हो गए। दस से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक महिला और एक बच्चा भी शामिल है। बताया जाता है कि एक घर में पटाखे बनाने का काम चल रहा था और एक परिवार की आपराधिक गलती की वजह से अनेक परिवारों पर आपदा टूट पड़ी। पटाखे बनाने का काम कितना खतरनाक है, शायद इसका एहसास निर्माण में जुटे लोगों को नहीं था और इसी वजह से तबाही का मंजर सामने आया है। पुलिस को हादसे की तह में जाकर देखना चाहिए कि आखिर किस तरह के पटाखे का निर्माण हो रहा था? किस तरह के रसायन का उपयोग हो रहा था? ऐसे विस्फोटक आखिर एक बस्ती में पहुंचे कैसे? जिला प्रशासन ने इस मामले में एक इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है, लेकिन क्या इस हादसे के लिए केवल एक ही व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है? क्या हम मानव जीवन का मोल नहीं समझ पा रहे हैं? क्या हम हादसे की गंभीरता नहीं समझ पा रहे हैं? बिना मंजूरी अगर निर्माण हो रहा था, फिर तो स्थानीय स्तर पर तत्काल कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। केवल पटाखे बनाने वालों को ही नहीं, बल्कि इसका अवैध कारोबार करने वालों को भी दबोचना चाहिए। प्रदेश में कानून-व्यवस्था का जब राज है, तब ऐसे अवैध निर्माण व खरीद-बिक्री की जरूरत क्यों है? यहां जिस तरह के पटाखे बनाए जा रहे थे, क्या उनके ग्राहक बिहार के बाहर के हैं? विस्तार में देखना चाहिए कि भागलपुर आधी रात को क्यों थर्रा उठा? अनेक घायलों का इलाज चल रहा है, इनसे भी पूछताछ होनी चाहिए। ऐसा हो नहीं सकता कि यहां विस्फोटक सामग्री के बारे में किसी को न पता हो। क्या अपने देश में लोग ऐसे खतरों के प्रति सजग नहीं हैं? क्या हमने अपने आसपास की आपराधिक गतिविधियों की ओर से आंखें मूंदना सीख लिया है? फोरेंसिक टीम और खुफिया पुलिस पर जिम्मेदारी है कि हादसे की पूरी सच्चाई सामने आए। सूचना यह भी सामने आई है कि पीड़ित परिवारों में से एक पटाखा बनाने का काम करता था और इनके घर पहले भी विस्फोट की घटना हो चुकी है। इस सूचना के साथ ही यह मामला और भी गंभीर हो जाता है। काजवलीचक आखिर 14 साल बाद दोबारा भीषण विस्फोट का गवाह कैसे बना है? उस विस्फोट में भी तीन लोगों की मौत हो गई थी और कई लोग घायल हुए थे। उस विस्फोट से भी भागलपुर दहल गया था, लेकिन शायद प्रशासन की तंद्रा नहीं टूटी, इसलिए फिर यह हादसा हो गया। यथोचित कार्रवाई नहीं हुई होगी, इसलिए अपराधियों और अवैध धंधा करने वालों को फिर कहर ढाने का मौका मिल गया। पुलिस किसी भी राज्य की हो, ऐसे खतरनाक अपराधों या कृत्यों के प्रति उसका संवेदनशील होना बहुत जरूरी है। मामला पटाखे या बंदूक निर्माण का हो या अवैध शराब निर्माण का, फौरी कार्रवाई करके अपराधियों को छोड़ने की कुप्रवृत्ति का अंत होना चाहिए। आज समाज में किसी भी तरह के अपराध को अगर हम छिपाएंगे, तो स्वयं अपने भविष्य के लिए ही बड़े खतरे पैदा करेंगे।

सरकार बचाने को इमरान की तिकड़में

पुष्परंजन

इमरान खान अचानक से एक दयानतदार और उदार प्रधानमंत्री के रूप में अवतरित होने लगे हैं। सोमवार को वे टीवी पर देश को संबोधित कर रहे थे, अपनी अर्थनीति से लेकर विदेश नीति की उपलब्धियों का बखान कर रहे थे, और विपक्ष को कोस रहे थे। दुनियाभर में ऊर्जा उत्पादों की कीमतें बढ़ने लगी हैं, पाकिस्तान में उल्टा हो रहा है, वहां उनकी सरकार बिजली और पेट्रोल की दरें कम कर रही है। बिजली पांच रुपये प्रति यूनिट और पेट्रोल दस रुपये प्रति लीटर सस्ते कर दिये हैं। इमरान खान ने उद्योग-व्यापार पर आयद करों में खूब सारी कटौतियां की हैं। उनकी एमनेस्टी स्कीम से कर्ज़ माफी की बयार बह चली है। सत्तापक्ष को लगता है, इससे पाकिस्तान का अवाम प्रसन्न हो जाएगा और प्रतिपक्ष की देशव्यापी रैलियों को समर्थन नहीं मिलेगा। सबसे बड़ा खतरा संसद में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर है, यह कामयाब हुआ तो इमरान ख़ान की सारी कवायद धड़ाम मानिये। इमरान ख़ान की दरियादिली पर आईएमएफ (विश्व मुद्रा कोष) भी हैरान है। विश्व मुद्रा कोष ने एक अरब डॉलर का जो ताजा कर्ज़ पाकिस्तान को दिया है, उसकी पहली शर्त यही थी कि वह अपने यहां ऊर्जा उत्पादों की कीमतें बढ़ाकर कर्ज़ की रकम अदा करेगा। पाकिस्तान के अर्थशास्त्री बता रहे हैं कि जितनी घोषणाएं इमरान ख़ान कर चुके हैं, उससे अगले वित्त वर्ष तक राजकोषीय घाटा 250 अरब रुपये का होने वाला है। विपक्ष तंज कर रहा है कि यह इमरान खान का नया पाकिस्तान नहीं, 'नंगा पाकिस्तान' है। इमरान ख़ान यदि आईएमएफ की शर्तों को सत्ता बचाने की वजह से नज़रअंदाज़ करते हैं, तो आने वाले दिनों में पाकिस्तान को कर्ज़ मिलने की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। 23 साल पहले 1999 में पाकिस्तान में एक संस्था बनी थी, नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी)। इसका काम भ्रष्टाचार में शामिल नेताओं-नौकरशाहों, सेना के अधिकारियों को पकड़ना था। अब एनएबी विरोधियों को निपटाने के काम आ रहा है। जून, 2019 में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली ज़रदारी साढ़े चार अरब रुपये के बैंक घोटाले मामले में गिरफ्तार किये गये थे। आरोप है कि फर्जी बैंक खातों के ज़रिये, उन्होंने इतनी बड़ी रकम की निकासी की थी। अभी ज़रदारी जमानत पर हैं। एनएबी ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ और उनके परिवार को भी नहीं बख्शा है। पनामा पेपर्स में नवाज़ शरीफ, उनके भाई शहबाज़ शरीफ, बेटी मरियम नवाज़ ऑफशोर कंपनियों के माध्यम से पैसे खपाने को लेकर पहले से जांच के दायरे में थे। उसके प्रकारांतर एनएबी ने नवाज़ शरीफ और उनके परिवार पर भ्रष्टाचार का केस दायर किया। 6 जुलाई, 2018 को संघीय अदालत ने अल अजीज़िया स्टील मिल करप्शन केस में नवाज़ शरीफ को 10 साल की सज़ा सुनाई, सात साल की सज़ा मरियम नवाज़ को और दामाद कैप्टन मोहम्मद सफ़दर को एक साल की कैद सुनाई। उन्हें चुनाव लड़ने से भी अदालत ने प्रतिबंधित किया। तीनों आदियाला जेल गये, ज़मानत पर भी रिहा हुए। नवाज़ शरीफ़ इलाज के वास्ते सशर्त लंदन गये, मगर जमानत अवधि में जब वे लौटे नहीं, कोर्ट ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया, और उनकी संपत्ति कुर्क करने का आदेश हुआ। 30 मार्च, 2022 को कुर्की-जब्ती की सुनवाई होनी है। यह मान कर चलें कि पाक विपक्ष को एक करने में एनएबी की कार्रवाई ने सीमेंट का काम किया है। सितंबर, 2020 में संयुक्त विपक्ष का एक मोर्चा बना, जिसमें 11 पार्टियों के नेता, इमरान ख़ान के विरुद्ध मोर्चाबंद हुए। इसका नाम रखा गया, पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम)। इसके चोबदार बने हैं, जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (जेयूआई) के नेता मौलाना फज़लुर्रहमान। 342 सदस्यीय पाक संसद नेशनल असेंबली में जेयूआई के 14 सभासद हैं। मौलाना फज़लुर्रहमान वही हैं, जिन्होंने 27 अक्तूबर, 2019 को सिंध और पंजाब में इमरान ख़ान की सत्ता के विरुद्ध 'आज़ादी मार्च' निकाला था। उन दिनों मौलाना फज़लुर्रहमान दो धुवों पर बैठे नवाज़ शरीफ और भुट्टो परिवारों को एक करने के प्रयास लगातार करते रहे। देवबंदी स्कूल के मौलाना फज़लुर्रहमान को तालिबान समर्थक भी माना जाता है। इसलिए शासन में बैठे लोगों को शक है कि इसके पीछे इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान का दिमाग तो काम नहीं कर रहा? पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) में 11 दल शामिल हैं। उनमें जेयूआई, अवामी नेशनल पार्टी के दो गुट, बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (मेंगल), जमीयत आहे हदीथ, नेशनल पार्टी बीजेंजो, पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज़), पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी, पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी, पश्तुन तहाफ़ूज़ मूवमेंट और क़ौमी वतन पार्टी के नेता लामबंद हुए हैं। 342 सदस्यीय निचले सदन में शक्ति परीक्षण से पहले सियासी जोड़-तोड़ शुरू है। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (कायदे आजम ग्रुप) के पांच सांसद सदन में हैं। वे सत्ता से नाखुश थे। ऐसी खबर है कि पीएमएल-क्यू के नेता चौधरी शुजात हुसैन को इमरान ख़ान ने अपने आईने में उतारा है। मुत्तहिदा क़ौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के सात सांसद हैं, उनके नेता ख़ालिद मकबूल सिद्दिकी भी अचानक से इमरान ख़ान के वास्ते महत्वपूर्ण हो गये। कम सभासदों वाले छोटे दल आज की तारीख़ में महत्वपूर्ण हो चले हैं। इमरान ख़ान की खुद की पार्टी 'पीटीआई' में भयानक गुटबंदी शुरू हो चुकी है। 156 सांसदों वाली पीटीआई में एक गुट के नेता जहांगीर तरीन का इमरान ख़ान से छत्तीस का आंकड़ा रहा है। जहांगीर तरीन के सांसद यदि सदन से अनुपस्थित हो गये, तो सरकार का गिरना तय मानिये। 342 सदस्यीय निचले सदन में सत्तापक्ष के 177 सांसद और प्रतिपक्ष के 162 सदस्य आमने-सामने हैं। इस संख्या बल को तोड़ने के वास्ते पीटीआई के जहाज में छेद करने के प्रयास जारी हैं। इमरान ख़ान इस समय दो रणनीतियों पर काम कर रहे हैं। पहला, पब्लिक में अपनी छवि को दुरुस्त करो, इस वास्ते उन्होंने कल्याणकारी कार्यक्रमों की झड़ी लगा दी है। 'अहसास प्रोग्राम' के तहत जिन आईटी ग्रेजुएट्स को 12 हज़ार रुपये का वजीफा दिया जाता था, उसे बढ़ाकर 14 हज़ार कर दिया। आईटी कंपनियों और स्टार्टअप्स को कैपिटल गेन टैक्स से मुक्त कर दिया। दो हफ्ते पहले इमरान सरकार ने पेट्रोल की क़ीमत 12 रुपये बढ़ाई थी, उसमें 10 रुपये की कमी कर दी। पाकिस्तान की पेट्रो पॉलिटिक्स और इमरान की दरियादिली को देखकर कहीं ऐसा न हो, विश्व बैंक व एशियन डेवलपमेंट बैंक पाकिस्तान को 2023 में नई सरकार बनने तक कोई कर्ज़ देने से मना कर दे। सेना इस पूरे मामले में मूकदर्शक है। हो भी क्यों नहीं? जनरल बाजवा के नवंबर में अवकाश से पहले सेनाध्यक्ष पद के लिए आपस में बंदूकें तनी हुई हैं। पाकिस्तान की सियासत में कभी अल्लाह, आर्मी और अमेरिका की भूमिका हुआ करती थी। मगर, वक्त बदलते देर नहीं लगती!

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध

(लेखक-ओमप्रकाश मेहता)

भारत की अग्निपरीक्षा का समाधान केवल पंचशील में ही है.....! रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे इस महायुद्ध के दौरान हमारा भारत भी एक अग्निपरीक्षा के दौर से गुजरने को मजबूर है, यह अग्निपरीक्षा ऐसे नाजुक मौके पर भारत की भूमिका को लेकर है, एक और हम जहां हमारे रूस के साथ मधुर सम्बंधों के कारण संयुक्त राष्ट्र संघ में हुए मतदान से अपने आपको अलग रख रहे है, वहीं दूसरी ओर संकट के इस दौर में यूक्रेन के राष्ट्रपति द्वारा हमसे मांगी जा रही मद्द भी पूरी नहीं कर पा रहे है, हमारी दुविधा यही है कि पिछले छ- दशक से हमारी विदेश नीति ही तटस्थता की है तो अब हम मौजूदा दौर में किसी एक देश की मद्द कैसे करें? इस दौर में सबको साथ रहना तथा सबका सहयोगी बने रहना ही हमारी वास्तविक 'अग्निपरीक्षा' है, जिसे हम महसूस कर रहे है। हमारे देश की आजादी के बाद हमारे प्रथम प्रधानंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने काफी सोच-समझ कर दूरदर्शी पंचशील योजना तैयार की थी और उसे लागू किया था। इस पंचशील योजना के मुख्य आधार गुट निरपेक्षता (तटस्थता) और धर्म निरपेक्षता थे। भारतीय जनता पार्टी के प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के शासनकाल में भी पंचशील सिद्धांत जारी रहे और उनका पालन भी किया गया। किंतु डॉ. मनमोहन सिंह की दस वर्षिय कांग्रेसी सरकार के बाद जब 2014 में नरेन्द्र भाई मोदी की सरकार पदारूढ़ हुई तब छः दशकों से देश को मार्गदर्शन देने वाले पंचशील सिद्धांतों को अमान्य कर उन्हें कचरे की टोकरी में डाल दिया गया और अपनी नीतियाँ तय कर ली गई, किंतु मोदी जी को क्या पता था कि उन्हें अगले कुछ ही वर्षों में उसी पंचशील सिद्धांत पत्र का सहारा लेकर अपनी साख बनाये रखने को मजबूर होना पड़ेगा? और वह समय अब आ गया जब यूक्रेन को लेकर विश्व की दो महान शक्तियाँ रूस और अमेरिका आमने-सामने है और दोनो की महाशक्तियाँ भारत से हर तरह के समर्थन व सहायता की अपेक्षा रख रही है। अब भारत सरकार की दुविधा यह है कि न तो वह छः दशक पुराने भारत-रूस के सम्बंधों को कोई क्षति पहुंचा सकती है और न मोदी जी अपने परमप्रिय मित्र और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाईडेन को नाराज कर सकते है, इस दुविधा से उभरने का एकमात्र मार्ग पंचशील सिद्धांत के 'गुट-निरपेक्ष' सिद्धांत में ही निहित है, जिसका सहारा अब लेने को मोदी जी मजबूर है। आज स्थिति यह है कि एक ओर जहां रूस अपने पुराने सम्बंधों का हवाला देकर हमसे हर तरह के सहयोग व समर्थन की अपेक्षा कर रहा है, वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति अपने देश में एक लाख हमलावर घुस आने का हवाला देकर मोदी जी से हथियार व सैनिकों की मांग कर रहे है। अब चूंकि घोषित रूप से अमेरिका-यूक्रेन का संरक्षक देश है तो यूक्रेन के राष्ट्रपति की सहायता की गुहार भी अपना विशेष महत्व रखती है। रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्रसंघ में लाये गए निंदा प्रस्ताव पर हमने अपना मत जाहिर नहीं कर रूस के प्रति अपना समर्थन जाहिर तो कर दिया किंतु अब यूक्रेन के राष्ट्रपति को सहायता का प्रश्न का उत्तर भारत खोज नहीं पा रहा है सिर्फ शांति के प्रयासों का उपदेश देकर ही सीमित रहना चाहता है, जो यूक्रेन के लिए काफी नहीं है। यद्यपि इस अग्निपरीक्षा के दौर में भारत संयम से काम लेने का प्रयास कर रहा है और हर स्थिति पर अपनी पैनी नजर रखे हुए है, किंतु उसे इस बात का भय भी है कि यदि स्थिति अधिक विस्फोटक हो गई और पूरा विश्व यदि विश्वयुद्ध की कगार पर खड़ा हो गया तब भारत की भूमिका क्या होगी? इसीलिए भारत अभी से हर तरीके से फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। अब इसी घटनाक्रम में एक ओर जहां हमारे देश में यूक्रेन की तर्ज पर हमारी बरसों पुरानी पाक अधिकृत कश्मीर की समस्या हल करने और पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग उठाई जा रही है, वहीं यह भी तय है कि भारत को मौजूदा दौर में भारी आर्थिक हानि उठाने को भी मजबूर होना पड़ सकता है, जिसकी कि चर्चा हमारे देश की प्रमुख बैंक स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया ने की है, इस बैंक का कहना है कि युद्ध यदि ज्यादा खींचा गया तो भारत को एक लाख करोड़ की क्षति वहन करना पड़ सकती है। क्योंकि विश्व पहले ही महंगाई के दौर से गुजर रहा है और विदेश से आयात की जाने वाली आवश्यक सामग्री इस संकट के दौर में यदि आयात से प्रभावित रही तो हमारे देश में भीषण आर्थिक मंदी का दौर आ सकता है। इस प्रकार यह तय है कि युद्ध यदि लंबा खींच गया तो फिर इसका दुष्प्रभाव भारत सहित दुनिया के सभी देशों पर पड़ सकता है और यदि इस युद्ध में परमाणु अस्त्रों का रूख अख्तियार कर लिया तो फिर क्या होगा? इसकी तो कल्पना करना भी भयावह होगा। इसलिए आज विश्व के सभी देशों को उकसाने की नीति छोड़ युद्ध विराम की नीति को लागू करने की ओर अग्रसर होना चाहिए और आज के दौर में हर देश को पंचशील सिद्धांत अपनाना चाहिये।

आज के कार्टुन

सकारात्मक सोच

जग्गी वासुदेव

दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। जब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप वास्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना चाहते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा। अगर आप दुनिया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से मूखरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को इसका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले बादल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। जब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोएंगे तो भिगोएंगे ही। आप इसे नजरंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा- इसकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर अस्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक सांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप अपने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप को कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। और शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अतः आप इस सकारात्मक सोच के वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और सकारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप नकारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस किसी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन जाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात नहीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात हो जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है और दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता है। सारा अस्तित्व ही द्वंद्वों के बीच होता है। आप जिसे सकारात्मक और नकारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरुषत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और अंधकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा? यह कहना वैसा ही है जैसे आप कहें कि आप को सिर्फ जीवन चाहिए, मृत्यु नहीं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं होता। मृत्यु है इसीलिये जीवन है।

सू-दोकू नवताल - 2061

4	6		3	5	8			7
							5	
3		9			4		2	6
			5		7		8	
2		5				6		1
	3		2		1			
1	2		6			7		8
	9							
7			4	1	3		9	2

सू-दोकू -2060 का हल

5	7	9	1	8	4	6	3	2
3	1	4	7	2	6	5	8	9
6	2	8	9	3	5	1	7	4
4	8	3	5	7	2	9	6	1
7	9	1	4	6	8	3	2	5
2	6	5	3	1	9	7	4	8
8	3	2	6	9	1	4	5	7
9	4	6	2	5	7	8	1	3
1	5	7	8	4	3	2	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-2,3,1,2
6. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-2
7. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-3
9. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-3
12. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-3
15. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पछु गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-4
17. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-3
18. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-1,3
21. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-2
25. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-3
26. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-4
27. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-2
28. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-2,2

फिल्म वर्ग पहेली-2061

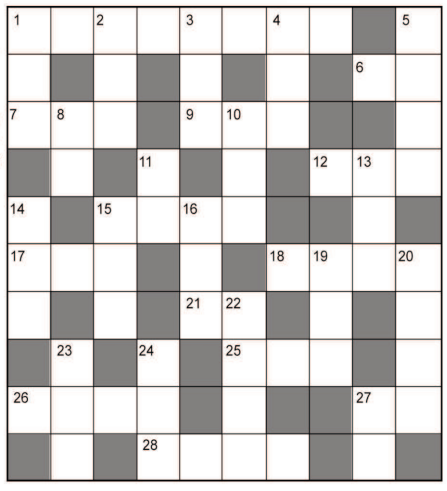

ऊपर से नीचे:-

1. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-3
2. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-3
3. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-3
4. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-3
5. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-4
8. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
10. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
11. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
13. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-3
14. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-3
15. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-3
16. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-3
19. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-3
20. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-4
22. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-4
23. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-3
24. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली-2060

रूही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप्पर फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं।

मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

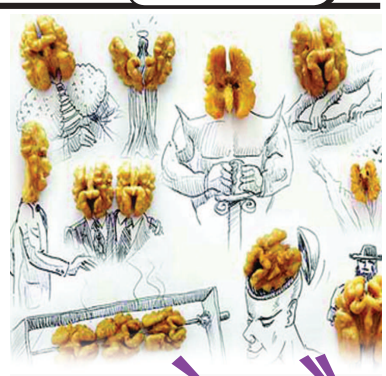

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यतः सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

रहें अलर्ट, केवायसी के नाम से आए लिंक से हो सकते हैं फ्रॉड का शिकार: एसबीआई

नई दिल्ली ।

देश में बैंकिंग फॉड के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। ये फॉड नये तरीकों से लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे हैं। इस तरह के फॉड से बचने के लिए देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक लगातार लोगों को आगाह करता रहा है। इसी क्रम में एसबीआई ने एक और ट्वीट जारी कर अपने करोड़ों ग्राहकों को केवाईसी फॉड की चेतावनी दी है। बैंक ने बताया है कि केवाईसी के नाम आए एसएमएस या मेल के जरिए कैसे आप फॉड का शिकार हो सकते हैं और आपकी जमा-पूंजी एक झटके में गायब हो सकती है। एसबीआई ने कहा है कि एसएमएस के जरिए अगर किसी ग्राहक के पास कोई लिंक आता है।

तो उस पर क्लिक ना करें। यह गलती उन पर भारी पड़ सकती है और उनके अकाउंट से पूरा पैसा निकल सकता है। यह भी कहा है कि एसबीआई के नाम पर उन्हें जो भी एसएमएस मिलता है उसको लेकर खास सावधानी बरतें। बैंक ने कहा है कि किसी भी अनजान सोर्स वाले लिंक पर जल्दबाजी में क्लिक करने से पहले कई बार सोच लें, नहीं तो आपका बैंक अकाउंट पलभर में खाली हो जाएगा। एसबीआई ने ट्वीट किया है, यहां सवायईएचडब्ल्यूआरओएनजीनंबर एचएआई केवायसी फॉड का एक उदाहरण दिया गया है1 इस तरह के एसएमएस से धोखाधड़ी हो सकती है और एम्बेडेड लिंक्स पर क्लिक न करें। एसएमएस प्राप्त करने पर एसबीआई के सही शॉर्ट कोड की जांच करें। सतर्क रहें और बने रहें।

गौतम अडानी ने फिर हासिल किया एशिया के सबसे बड़े रईस का रुतबा

नई दिल्ली ।

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने एक बार फिर एशिया के सबसे बड़े रईस होने का रुतबा हो सिल कर`` लिया है। उन्होंने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह रुतबा हासिल किया है। इस साल दूसरी बार अडानी ने अमीरों की लिस्ट में अंबानी को पीछे छोड़ा है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक अडानी 86.6 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ एशिया में पहले नंबर पर पहुंच गए हैं। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में अडानी 10वें नंबर पर हैं इस साल कमाई के मामले में अडानी सबसे ऊपर हैं।इस साल उनकी नेटवर्थ में 10 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। टॉप टेन अमीरों में अडानी के अलावा केवल अमेरिका के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे ने कमाई की है।

बाकी सभी अमीरों की नेटवर्थ में इस साल गिरावट आई है। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में 54.4 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस बीच अंबानी इस लिस्ट में एक स्थान फिसलकर टॉप 10 से बाहर हो गए हैं। शुक्रवार को उनकी कंपनी रिलायंस के शेयरों में 2.12 फीसदी की गिरावट आई। इससे अंबानी की नेटवर्थ में 2.65 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 86.0 अरब डॉलर रह गई। इस साल उनकी नेटवर्थ में 3.95 अरब डॉलर की गिरावट आई है। इस साल अंबानी दूसरी बार अडानी से पिछड़े हैं। इससे पहले फरवरी में भी अडानी उनसे आगे हो गए थे। ब्लूमबर्ग के मुताबिक ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 170 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं।

ग्लोबलडाटा ने भारत की आर्थिक वृद्धि अनुमान घटाकर 7.8 फीसदी किया

नई दिल्ली ।

ग्लोबलडाटा ने भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया गया है। लंदन की आंकड़ा विश्लेषण और परामर्श कंपनी ने रूस-यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संकट के कारण तेल की कीमतों में उछाल की वजह से भारत के निर्यात पर पड़ने वाले असर का हवाला देते हुए घरेलू अर्थव्यवस्था में वृद्धि के अनुमान को कम किया है। ग्लोबलडाटा ने कहा कि अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया के कमजोर बने रहने के आसार हैं।

जबकि जिंसों की कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति बढ़ेगी। हालांकि भारतीय बैंक क्षेत्र मजबूत बना रहेगा। बयान में कहा गया `कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संकट का भारत के निर्यात पर नकरात्मक प्रभाव पड़ेगा और कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से कच्चे माल तथा उपभोक्ता वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे। कंपनी ने कहा कि इन सभी कारणों को देखते हुए ग्लोबलडाटा ने भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि के अनुमान को 0.1 प्रतिशत घटाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया है। गौरतलब है कि 2020 में भारत के कुल आयात में यूक्रेन और रूस का संयुक्त रूप से 2.2 प्रतिशत हिस्सा था। ग्लोबलडाटा ने इसके अलावा अनुमान जताया है कि रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न भू-राजनीतिक जोखिम के कारण 2022 में भारत की मुद्रास्फीति दर 5.5 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी, जो 2021 में 5.1 प्रतिशत थी।

चीनी कंपनी हुआवेई ने भारत में कर चोरी के लिए अपनाया गजब फार्मूला

नई दिल्ली ।

चीनी की मशहूर कंपनी हुआवेई ने भारत में टैक्स चोरी के लिए बड़ा हथकंडा अपनाया है। आयकर विभाग ने छापेमारी कर बड़ा खुलासा किया है। 400 करोड़ रुपये की आय को कम मार्जिन बताते हुए और संबंधित पक्षों को 350 करोड़ रुपये की रॉयल्टी का भुगतान किया गया है। आयकर विभाग ने 15 फरवरी को हुआवेई समूह पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया था। दिल्ली, गुरुग्राम और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। मुख्य व्यावसायिक परिसर के साथ-साथ प्रमुख पदाधिकारियों के आवासीय परिसर की भी तलाशी ली गई। छापेमारी से इकट्ठा किए गए साक्ष्य और दर्ज किए गए बयानों से यह भी पता चला कि हुआवेई ग्रुप में से एक कंपनी संबंधित पक्षों से कम शुद्ध मार्जिन का खुलासा कर रही है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जांच के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्य से 400 करोड़ रुपए की आय के दमन का पता चला है। हालांकि मंत्रालय ने कंपनी का नाम नहीं बताया है। तलाशी के दौरान यह पाया गया कि इस ग्रुप ने हाल के वित्तीय वर्षों में अपने संबंधित पक्ष को रॉयल्टी के लिए अपने खाते की पुस्तकों में 350 करोड़ रुपए से अधिक डेबिट किए हैं। इस तरह के खर्च ब्रांड और तकनीकी जानकारी से संबंधित वस्तुओं के उपयोग के लिए किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा, हुआवेई ऐसी किसी भी सेवा/तकनीकी जानकारी जानकारी देने में विफल रहा जो रॉयल्टी दर को प्रमाणित करते हों। छापेमारी के दौरान यह भी पता चला है कि इस ग्रुप ने भारत के बाहर अपने संबंधित पक्षों से तकनीकी सेवाओं की प्राप्ति के खिलाफ बढ़े हुए भुगतान किए हैं। निर्धारिती कंपनी ऐसी कथित तकनीकी सेवाओं को प्राप्त करने की वास्तविकता को सही नहीं ठहरा सकती इसमें कहा गया है कि निर्धारिती कंपनी द्वारा ऐसी सेवाओं की प्राप्ति के लिए ।

संक्षिप्त समाचार

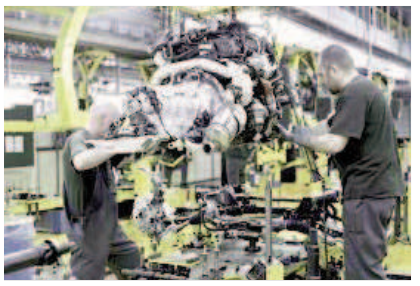

मोटर वाहन इंजीनियर की मांग फरवरी में 7 फीसदी बढ़ी: रिपोर्ट

मुंबई । देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में तेजी के साथ फरवरी 2022 में मोटर वाहन (ऑटोमोटिव) इंजीनियरों की मांग जनवरी 2022 की तुलना में आठ प्रतिशत बढ़ गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में कहा कि ईवी बाजार में पिछले वर्ष वृद्धि के साथ वाहन, सहायक और टायर उद्योग में फरवरी 2022 के दौरान जनवरी की तुलना में सात प्रतिशत की वृद्धि देखी है। यह रिपोर्ट फरवरी में मौजूद नौकरी की मांग के आधार पर है। रिपोर्ट में कहा गया कि डिजिटलीकरण और तकनीक कौशल के लिए उच्च आवश्यकताओं के साथ सही कौशल सेट और प्रतिभा प्राप्त करना ऑटो उद्योग में भर्ती करने वालों के लिए जरुरी पहलू हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस प्रतिभा से युक्त इंजीनियर का एक वर्ग, विशेष रूप से ईवी उद्योग में ग्रीन इंजीनियर्स के रूप में भी जाना जाने लगा है। रिपोर्ट में कहा गया कि मोटर वाहन उद्योग में इस तरह की प्रतिभा की मांग फरवरी 2022 के दौरान सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार लॉकडाउन और कोविड-19 महामारी की कई लहरों के दौरान ऑटो इंजीनियरों की मांग में उतार-चढ़ाव रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी 2022 के दौरान बेंगलुरु और दिल्ली में मोटर वाहन इंजीनियरों की सबसे ज्यादा मांग देखी गई।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 1.425 अरब डॉलर की गिरावट

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 1.425 बिलियन डॉलर घटकर 631.527 बिलियन डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से यह जानकारी साझा की गई। गौरतलब है कि बीते कुछ हफ्तों से इसमें लगातार कमी देखने को मिल रही थी, जिस पर 18 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में ब्रेक लगा था और विदेशी मुद्रा भंडार 2.762 अरब डॉलर बढ़कर 632.952 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया था। आरबीआई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने के कारण आई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एफसीए 2.228 अरब डॉलर घटकर 564.832 अरब डॉलर पर आ गई। जबकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 12.2 करोड़ डॉलर घटकर 19.04 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 3.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.187 अरब डॉलर हो गया। हालांकि 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश के स्वर्ण भंडार में उछाल दर्ज किया गया और यह 95.8 मिलियन डॉलर बढ़कर 42.467 अरब डॉलर हो गया।

रिलायंस ने देश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर खोला

नई दिल्ली । तेल से लेकर दूरसंचार कारोबार कर रही रिलायंस इंडस्ट्रीज ने मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में देश का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर खोलने की घोषणा की। कंपनी के अनुसार मुंबई के बांद्रा कुर्ला परिसर में स्थित इस कन्वेंशन सेंटर में 1.61 लाख वर्गफुट से अधिक क्षेत्र में फैले तीन प्रदर्शनी हॉल और 1.07 लाख वर्ग फुट के दो कन्वेंशन हॉल हैं। रिलायंस ने कहा` कि यह कन्वेंशन सेंटर 5जी नेटवर्क से लैस एक हाइब्रिड और डिजिटल अनुभव प्रदान करता है। आरआईएल की निदेशक और रिलायंस फॉउंडेशन की संस्थापक नीता अंबानी ने कहा` कि जियो वर्ल्ड सेंटर हमारे गौरवशाली देश के लिए एक और उपलब्धि है। यह नए भारत की आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा` कि सबसे बड़े सम्मेलनों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रीमियम रिटेलिंग और डाइनिंग सुविधाओं से लैस जियो वर्ल्ड सेंटर को मुंबई के नई निशानी के रूप में देखा जाएगा। यह एक ऐसा केंद्र बनेगा जहां हम एकसाथ भारत के विकास कहानी का अगला अध्याय लिखेंगे।

चीन ने अपना रक्षा बजट बढ़ाकर 230 अरब डॉलर किया

बीजिंग । चीन ने शनिवार को अपने रक्षा बजट में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि कर 230 अरब डॉलर करने का प्रस्ताव किया है जो पिछले साल के 209 अरब डॉलर के मुकाबले 21 अरब डॉलर अधिक है। यहां के एक स्थानीय सरकारी अखबार ने प्रधानमंत्री ली केकियांग द्वारा नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) में शनिवार को पेश मसौदा बजट के हवाले से बताया कि चीन की सरकार ने वित्त वर्ष 2022 के लिए 1.45 खरब (ट्रिलियन) युआन के रक्षा बजट का प्रस्ताव किया है जो पिछले साल के मुकाबले 7.1 प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि के साथ चीन का रक्षा बजट भारत के रक्षा बजट (लगभग 70 अरब डॉलर) के मुकाबले तीन गुना हो गया है। पिछले साल चीन का रक्षा बजट 200 अरब डॉलर के पार गया था। चीन ने वित्त वर्ष 2021 में अपने रक्षा बजट में 6.8 प्रतिशत की वृद्धि की थी जिससे उसका कुल रक्षा बजट 209 अरब डॉलर हो गया था। चीनी प्रधानमंत्री ने संसद में पेश कार्य रिपोर्ट में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की युद्ध तैयारी को वृहद तरीके से मजबूत करने पर जोर दिया। चीन द्वारा रक्षा बजट में वृद्धि का प्रस्ताव भारत के साथ पूर्वी लद्दाख में गतिरोध और अमेरिका के साथ बढ़ते राजनीतिक और सैन्य तनाव के बीच आया है। अमेरिका के बाद चीन रक्षा बजट पर खर्च करने के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

ब्रिक्स के एनडीबी ने रूस में सभी लेनदेन रोका

बीजिंग ।

ब्रिक्स देशों के बनाए गए नव विकास बैंक (एनडीबी) ने यूक्रेन संकट के बीच पैदा हुई अनिश्चितताओं और प्रे तिबंधों का हवाला देते हुए रूस में सभी नए लेनदेन पर रोक लगा दी है। एनडीबी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए रूस में नए लेनदेन को रोक दिया गया है। एनडीबी ने अपने परिचालन में पुख्ता बैंकिंग सिद्धांतों के अनुसरण का जिक्र करते हुए यह कदम उठाया है। एनडीबी ने कहा` कि बैंक एक अंतरराष्ट्रीय संस्था के तौर पर उच्चतम अनुपालन मानकों के अनुरूप पूरी शिद्दत से अपना कारोबार करना जारी रखेगा। बैंक का गठन ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के समूह ब्रिक्स ने ढांचागत एवं टिकाऊ विकास परियोजनओं के लिए धन जुटाने के मकसद से किया था। यह बैंक ब्रिक्स देशों के साथ अन्य उभरते विकासशील अर्थव्यवस्थाओ के लिए भी वित्त मुहैया कराता है। एक दिन पहले चीन स्थित एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) ने भी यूक्रेन संकट को देखते हुए रूस और उसके करीबी देश बेलारूस में अपनी सभी परियोजनाओं को रोकने की घोषणा की है। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ऊर्जित पटेल एआईआईबी के उपाध्यक्ष (निवेश परिचालन) हैं जबकि इसके प्रमुख चीन के पूर्व वित्त मंत्री जिन लिकुन हैं। इसने रूस और को वित्त मुहैया कराया हुआ है।

भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर ऊर्जित पटेल एआईआईबी के उपाध्यक्ष (निवेश परिचालन) हैं जबकि इसके प्रमुख चीन के पूर्व वित्त मंत्री जिन लिकुन हैं। इसने रूस और बेलारूस में कई परियोजनाओं को वित्त मुहैया कराया हुआ है। एआईआईबी ने अपने बयान में कहा है कि मौजूदा हालात में बैंक की वित्तीय शुद्धता को बनाए रखने के लिए रूस और बेलारूस से संबंधित सभी गतिविधियों को स्थगित करने के साथ ही इसकी समीक्षा का निर्णय लिया गया है।

तेल उद्योग ने सरकार को दिया आश्वासन, खाने के तेल की आपूर्ति जारी रहेगी

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति बाधित होने की चिंताओं के बीच खाद्य तेल उद्योग ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वह अगले दो महीनों के लिए सूरजमुखी और अन्य खाद्य तेलों की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। भारत, यूक्रेन से बड़ी मात्रा में सूरजमुखी तेल का आयात करता है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में हाल ही में हुई बैठक में सूरजमुखी तेल समेत खाद्यतेलों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की गई। उद्योग ने पिछले दो दिनों में खाद्य तेल की कीमतों में गिरावट के रुख के बारे में भी मंत्रालय को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नई सरसों की फसल आने से सरसों तेल की खुदरा कीमतों में और गिरावट आ सकती है। एस पी कामरा और अडाणी विल्मर, रुचि सोया और मोदी नेचुरल्स सहित प्रमुख रिफाइनर और आयातकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अध्यक्ष अतुल चतुर्वेदी, इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईवीपीए) के महासचिव एस पी कामरा और अडाणी विल्मर, रुचि सोया और मोदी नेचुरल्स सहित प्रमुख रिफाइनर और आयातकों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जानकारी के मुतो बिक बैठक के दौरान, खाद्यतेल उद्योग ने मंत्री को सूचित किया कि सूरजमुखी के तेल की कोई कमी नहीं है। मार्च डिलिवरी के लिए, 1.5 लाख टन सूरजमुखी तेल की पहली खेप युद्ध से पहले ही यूक्रेन से भेजी गयी थी और जल्द ही आने की उम्मीद है। भारत में एक महीने में 18 लाख टन खाद्य तेल की खपत होती है। इसमें से सूरजमुखी तेल का हिस्सा लगभग 1.5-2.0 लाख टन है। सूरजमुखी पसंद करने वाले उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए केवल लगभग एक लाख टन सूरजमुखी तेल की आवश्यकता होती है।

टियागो और टिगोर सीएनजी किट के साथ लॉन्च

नई दिल्ली । हाल ही में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने भी सीएनजी सेगमेंट में कदम रख दिया है और टियागो और टिगोर को कंपनी ने फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ लॉन्च किया है। टियागो और टिगोर के बाद टाटा मोटर्स अब अपनी सबसे पॉप्युलर एसयूवी टाटा नेक्सॉन को भी सीएनजी किट के साथ बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। टाटा नेक्सान सीएनजी की टेस्टिंग भी शुरू हो चुकी है और इसे कई बार स्पॉट किया गया है। इस बारे में कंपनी की ओर से किसी तय तारीख की घोषणा नहीं की गई है मगर माना जा रहा है कि कंपनी इसे इसी साल फेस्टिव सीजन में लॉन्च कर सकती है। इस कार के पेट्रोल हाइब्रिड वर्जन पर भी कंपनी काम कर रही है। मारुति सुजुकी का वर्तमान सीएनजी सेगमेंट पर दबदबा है। टाटा की एंट्री से पहले सिर्फ मारुति और ह्यूंदै ही फैक्ट्री फिटेड सीएनजी के साथ अपने मॉडल्स बेचती थीं। अब इस सेगमेंट में टाटा के आने के बाद कॉम्पिटिशन बढ़ गया है। इसीलिए मारुति अब विताारा ब्रेजा सीएनजी लाने की तैयारी कर रही है। इसे इसी साल की दूसरी तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है। इसीलिए मारुति अब विताारा ब्रेजा सीएनजी लाने की तैयारी कर रही है। इसे इसी साल की दूसरी तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है। मालूम हो कि भारत में ऑटोमोबाइल कंपनियां अब डीजल-पेट्रोल के अलावा ईंधन के तौर पर अन्य विकल्पों पर काफी निवेश कर रही हैं जैसे कि सीएनजी और इलेक्ट्रिक। इसका सबसे बड़ा कारण है कि डीजल और पेट्रोल जैसे परंपरागत ईंधन की कीमतें अब ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई हैं। ग्राहकों का रुझान भी अब दूसरे विकल्पों की ओर धीरे धीरे बढ़ रहा है।

एप्पल पूरे डिवाइस को बदले बिना करेगा फेस आईडी की मरम्मत

सैन फ्रांसिस्को ।

एप्पल कंपनी पूरे डिवाइस को बदले बिना आईफोन एक्सएस के लिए फेस आईडी की मरम्मत कर देगी। एप्पल ने कहा कि अधिकृत तकनीशियनों के पास जल्द ही एक नए ट्रडेथ कैमरा सेवा भाग तक पहुंच होगी, जिसमें सभी फेस आईडी और फ्रंट कैमरा मॉड्यूल होंगे, जो समान-इकाई की मरम्मत की अनुमति देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अपने उत्पादों के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने की कंपनी की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में पूरी यूनिट की मरम्मत की संख्या को कम करेगा। एप्पल स्टोर और एप्पल ऑथोराइस्ड सर्विस प्रदाता यह निर्धारित करने के लिए एप्पल सर्विस टूलकिट नामक एक नैदानिक उपकरण का उपयोग करेंगे कि क्या कोई उपकरण संपूर्ण-इकाई मरम्मत या आईफोन रियर सिस्टम की मरम्मत के बजाय समान-इकाई फेस आईडी मरम्मत के लिए योग्य है। एप्पल ने मूल रूप से आईफोन एक्स पर फेस आईडी तकनीक पेश की थी। पिछले साल, एप्पल ने आईफोन 12 और आईफोन 13 के लिए एक नए स्वयं सेवा मरम्मत कार्यक्रम की घोषणा की, जो उन ग्राहकों को अनुमति देगा जो वास्तविक एप्पल भागों का उपयोग करके अपनी मरम्मत करने में सहज महसूस करते हैं।

जब ग्राहक अपने उपकरणों को ठीक करने के बाद अपने उपयोग किए गए हिस्सों को वापस कर देंगे तो उन्हें रीसाइक्लिंग क्रेडिट भी प्राप्त होगा। इस बीच, एप्पल सतंबर में या उसके आसपास आईफोन 14 लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

एफएसएसएआई करेगा पैकेट बंद उत्पादों की हेल्थ रेटिंग

नई दिल्ली । देश में अब जल्दी ही पैकेट बंद खाने की रेटिंग शुरू होगी। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण सभी पैकेट बंद उत्पादों की हेल्थ रेटिंग करेगा, ताकि उपभोक्ता को देखते ही पता चल जाए कि उसका खरीदा उत्पाद सेहत के लिए कितना हानिकारक है। प्राधिकरण के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि हेल्थ स्टार रेटिंग का मकसद उपभोक्ताओं को हेल्दी खाने की तरफ लाना है, ताकि खराब जीवनशैली की वजह से भारतीयों को बीमार होने से बचाया जा सके। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के अधिकारी ने बताया कि उत्पादों की हेल्थ रेटिंग उसमें मौजूद नमक, चीनी और वसा की मात्रा के आधार पर तय की जाएगी। इसकी जानकारी पैकेट के फ्रंट पेज पर ही दी जाएगी। यह तैयारी आईआईएम अहमदाबाद की उस शोध रिपोर्ट के बाद की जा रही है, जिसमें बताया गया था कि पैकेट के फ्रंट पेज पर जानकारी देने से उपभोक्ताओं पर ज्यादा असर पड़ेगा। एफएसएसएआई के सीईओ अरुण सिंहल ने बताया कि आईआईएम अहमदाबाद ने देशभर के करीब 20 हजार लोगों के साथ इसका सर्वे किया और पता लगाया कि कैसे समाज को हेल्दी खाने की ओर मोड़ा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव के जरिये गैर संचारी रोगों (एनसीडीएस) जैसे डाइबिटीज, बीपी आदि को रोका जा सकेगा। एफएसएसएआई ने पहले से ही उत्पादों में मौजूद पोषक तत्वों की जानकारी देने का निर्देश दिया हुआ है, लेकिन कंपनियां अभी इसे पैकेट के पिछले हिस्से पर देती हैं। आईआईएम अहमदाबाद (आईआईएम-ए) ने सुझाव दिया कि फ्रंट पेज पर जानकारियां देने से ज्यादा असर दिखेगा।

बेलग्रेड फीडे ग्रां प्री शतरंज-2022 स्पर्धा में भारत के विदित का शानदार आगाज

बेलग्रेड । प्रतिष्ठित बेलग्रेड फीडे ग्रां प्री शतरंज-2022 स्पर्धा के दूसरे चरण का खेल शुरू हो चुका है और इस बार भारत के ग्रांड मास्टर विदित गुजराती एक नए रंग मे नजर आ रहे है। विदित नें अब तक खेले गए अपने दोनों मुकाबले जीतकर बेहतरीन आगाज किया है। विदित नें सबसे पहले स्पेन के अलेक्सी शिरोव को मात देते हुए अपना खाता खोला तो उसके बाद दूसरे राउंड मे रूस के फेडोसीव ब्लादिमीर को पराजित कर दिया है । फेडोसीव के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए विदित नें निमजो इंडियन ओपनिंग मे 55 चालों मे जीत हासिल की। चार पूल में हर खिलाड़ी डबल राउंड रॉबिन आधार पर छह राउंड खेलेगा, विदित पूल सी मे फिलहाल शीर्ष पर चल रहे है हालांकि उन्हे असली चुनौती विश्व नंबर 10 हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट से मिलने की उम्मीद है जिनसे उनका अगला मुकाबला है। भारत के पेंटाला हरीकृष्णा पूल बी में है जहां उन्हे पहले राउंड मे रूस के निकिता वितुगोव से हार का सामना करना पड़ा था जबकि दूसरे राउंड मे ईरान के अमीन तबातबाई से उन्होंने बाजी ड्रॉ खेली है।

दक्षिण आफ्रीका में विश्व कप 2022

बांग्लादेश को हराकर विश्व कप में द. अफ्रीका की शानदार शुरुवात : महिला क्रिकेट

मुंबई ।

दक्षिण अफ्रीका ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 के अपने पहले मुकाबले में बांग्लादेश को हराकर शानदार शुरुआत की है। डुनेडिन में हुए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश के सामने 208 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में बांग्लादेश की टीम 3 गेंद बाकी रहते 175 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 32 रन से हरा दिया। इस जीत से दक्षिण अफ्रीका को पूरे 2 अंक मिले। इसके पहले कप्तान निगार सुल्ताना ने टॉस जीतकर द.अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। द.अफ्रीका ने मरिजाने कैप के 42 और ओपनर लॉरा वॉल्वार्ट के 41 रन के दम पर 49.5 ओवर में 207 रन बनाए। चोले ट्रायोन ने 39 रन का योगदान दिया, जबकि कप्तान सुन लुस 25 रन बनाकर आउट हुईं। बांग्लादेश की ओर से फारिया त्रिशना ने 3 जबकि जोहनारा आलम और रितू मोनी ने दो-दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेशी टीम शरमीन अख्तर के 34 और सुल्ताना के 29 रन के बावजूद 175 रन ही बना सकी। बांग्लादेशी टीम अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकी। टीम की ओर से सुल्ताना और अख्तर ने पहले विकेट के लिए अर्धशतकीय शुरुआत दिलाई थी।दोनों ने 69 रन की साझेदारी की लेकिन बाद के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर विकेट देते चले गए। बांग्लादेश को इस रन संख्या तक पहुंचाने में साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का भी अहम रोल रहा, जिन्होंने इस दौरान 22 अतिरिक्त रन दिए। बांग्लादेश को इस रन संख्या तक पहुंचाने में साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों का भी अहम रोल रहा, जिन्होंने इस दौरान 22 अतिरिक्त रन दिए। द.अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए, जबकि मासाबा क्लास ने 2 विकेट झटके। खाका को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

एलन डोनाल्ड ने बंगलादेश के तेज गेंदबाजी कोच की कमान संभाली, कहा- मैं बहुत उत्सुक हूं

ढाका ।

दक्षिणी अफ्रीकी खिलाड़ी एलन डोनाल्ड ने बंगलादेश की पुरुष क्रिकेट टीम में तेज गेंदबाजी कोच की कमान संभाल ली है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड इसकी घोषणा करते हुए कहा कि दक्षिणी अफ्रीकी खिलाड़ी के साथ यह अनुबंध अगले आईसीसी टी-20 विश्व कप तक चलेगा। डोनाल्ड ने 72 टेस्ट और 64 वनडे मैच खेले हैं, वह ओटिस गिब्सन का स्थान लेंगे, जो वॉकशॉयर में मुख्य कोच के रूप में शामिल हुए थे। डोनाल्ड ने 2007 में टीम के गेंदबाजी सलाहकार के रूप में काम किया है और वह वारविकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब के साथ भी काम कर चुके हैं। इसके बाद उन्होंने 2010 में जिम्बाब्वे के साथ काम किया था और 2011 में आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के दौरान न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच बने। उन्होंने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के साथ भी काम किया है और एक बार आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु टीम प्रबंधन का भी हिस्सा रहे हैं। उन्हें 2019 में आईसीसी हॉल ऑफ फेम में भी शामिल किया गया था।

डोनाल्ड ने बांगलादेश से जुड़ने के बाद कहा कि मेरे लिए यह घोषणा बहुत खास है। मैं जल्द बंगलादेश क्रिकेट टीम के साथ जुड़ जाऊंगा। यह साझेदारी ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप तक चलेगी। मैं रसेल डोमिंगो के साथ भी बहुत करीब से काम कर रहा हूं, जिन्हें मैं दक्षिण अफ्रीकी टीम में रहने के अपने दिनों से बहुत अच्छी तरह से जानता हूं।

मुझे पता है कि वह बंगलादेश टीम के साथ बहुत मेहनत कर रहे हैं और मैं बंगलादेश के तेज गेंदबाजों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा- यहां युवा प्रतिभाशाली समूह है और मुझे पता है कि वे इस समय अफगानिस्तान के खिलाफ बहुत अच्छा कर रहे हैं। मैं सच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले वनडे मैच से पहले दक्षिण अफ्रीका में बंगलादेश टीम के साथ जुड़ने के लिए उत्सुक हूं। उल्लेखनीय है कि बंगलादेश को तीन वनडे और दो टेस्ट मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करना है, जो 18 मार्च को शुरू होगा।

आईपीएल रोमांच से पहले धोनी का बस ड्राइवर लुक वाला धमाका, कहा- यह अब नॉर्मल है

मुंबई । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान माही उर्फ महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल के 2022 के रोमांच से पहले बस ड्राइवर के लुक का धमाका चर्चा में हैं। उन्होंने सवारी को बैठाकर बस भी चलाई है। दिग्गज बॉलीवुड अभिनेता रजनीकांत के स्टाइल में ड्राइवर बने धोनी का यह वीडियो खुद आईपीएल प्रबंधन ने ट्विटर पर साझा किया है। दरअसल धोनी ने यह वीडियो आईपीएल 2022 सीजन को लेकर शूट किया है। इसके जरिए आईपीएल के प्रति प्रशंसकों का पागलपन दिखाया गया है। आईपीएल के आधिकारिक प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने आईपीएल की भारत में वापसी के उत्साह का जश्न मनाने के लिए 'यह अब नॉर्मल है' अभियान शुरू किया है, जिसमें धोनी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अभियान के तहत शूट की गई वीडियो में धोनी को बस ड्राइवर के रूप में दिखाया गया है, जिसने बहुत व्यस्त सड़क के बीच में बस को रोक दिया है। फिर ट्रैफिक पुलिसकर्मी घटनास्थल पर पहुंचता है और धोनी की हरकतों पर सवाल उठाता है, जिस पर वह जवाब देते हैं कि वह आईपीएल मैच का एक रोमांचक सुपर ओवर देख रहे हैं। तब ट्रैफिक पुलिसकर्मी आईपीएल के दौरान इसे एक सामान्य घटना मानता हैं। डिज्नी स्टार के स्पोर्ट्स प्रमुख संजोग गुप्ता ने एक बयान में कहा कि चार चरणों में संरचित यह अभियान प्रशंसकों के पागलपन और आमतौर पर टूर्नामेंट से जुड़ी विशिष्ट परिस्थितियों को दिखाता है। जैसे कि सुपर ओवर। अभियान का शुरुआती चरण आईपीएल के 15वें सीजन की शुरुआत के लिए उत्साह की भावना पैदा करने का प्रयास करेगा, जो अब तक का सबसे बड़ा सीजन होने जा रहा है।

भारतीय टेनिस खिलाड़ी भांबरी और रामकुमार ने एकल मुकाबलों में डेनमार्क पर दर्ज की जीत

नई दिल्ली ।

भारत के टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी और रामकुमार रामनाथन, दिल्ली जिमखाना क्लब में जारी डेविस कप वर्ल्ड ग्रुप प्ले ऑफ टाई मुकाबले में अपने-अपने मैच जीतने में सफल रहे। डेनमार्क के खिलाफ खेले गए इन दोनों मुकाबले में पहले रामकुमार रामनाथन ने क्रिस्टियन सिग्सगार को सीधे सेटों में हरा दिया। रामकुमार ने इस मैच डेनिस खिलाड़ी सिग्सगार को 6-3, 6-2 से हराया। इसके अलावा दूसरे मुकाबले में युकी भांबरी ने डेनमार्क के ही मिकेल टॉरपेगार्ड को शिकस्त देने में सफल रहे। डेनमार्क के खिलाफ मिली इन दो जीत के चलते भारत 2-0 की लीड लेने में सफल रहा। रामनाथन ने कम उछाल वाले ग्रास कोर्ट पर डेनिश खिलाड़ी की कमजोरी का पूरा फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंदी को टिकने नहीं दिया। मैच के दौरान कई बार डेनमार्क के खिलाड़ी ने वापसी की कोशिश की लेकिन वह रामनाथन से पार नहीं पा सके। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह मुकाबला 59 मिनट तक चला इस दौरान सिग्ससार ने कई गलतियां की जिसका फायदा भारतीय खिलाड़ी को मिला। क्र स्टियन ने शुरुआती सेट के दूसरे गेम में तीन डबल फाल्ट किए, लेकिन रामकुमार उस मौके को भुना नहीं सके। इस दौरान रामकुमार ने रिटर्न के लिए बैकहैंड स्लाइस का इस्तेमाल कर अपने सर्विस गेम पर भरोसा किया। मैच के दौरान दोनों खिलाड़ियों को बीच लंबी-लंबी रैली देखने को मिली लेकिन बाद में सिग्ससार भारतीय खिलाड़ी के आगे कोई कमाल नहीं कर सके। रामनाथन ने 824वें रैंक वाले इस खिलाड़ी को सीधे सेटों में मात दी। इस मैच के थोड़ी देर बाद युकी भांबरी ने

डेनमार्क के मिकेल टॉरपेगार्ड के खिलाफ 6-4, 6-4 से जीत के साथ टाई के पहले दिन के अंत में भारत को 2-0 की मजबूत बढ़त दिलाने में सफल रहे। भांबरी 2017 के बाद से अपना पहला डेविस कप टाई खेल रहे हैं। इस बीच उन्होंने 305वें नंबर के खिलाड़ी की शुरुआती गेम में सर्विस तोड़ी।

इस मैच के दौरान दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। भांबरी पहला सेट 6-4 से जीतने में सफल रहे। वहीं, दूसरे सेट में भी डेनिस खिलाड़ी ने एक बार फिर उन्हें कड़ी टक्कर दी। लेकिन भांबरी ने सूझबूझ दिखाते हुए दूसरा सेट भी 6-4 से अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

सरफराज और अरमान का शतक, मुंबई 400 रन के पार

नई दिल्ली । रणजी ट्रॉफी के तीसरे राउंड के मुकाबले हो रहे है। एलीट ग्रुप की सभी टीमों के लिए यह मैच बेहद महत्वपूर्ण है। इस आधार पर उनके नॉकआउट में पहुंचने पर फैसला होना है। मैच के दूसरे दिन मुंबई ने ओडिशा के खिलाफ 3 विकेट पर 259 रन बना लिए थे। सरफराज खान 107 रन बनाकर खेल रहे हैं। ओडिशा ने पहली पारी में 284 रन बनाए। यानी मुंबई को पहली पारी में बढ़त लेने के लिए सिर्फ 26 रन की जरूरत है। वहीं एक अन्य मैच में चेतेश्वर पुजारा की टीम सौराष्ट्र ने पहली पारी में 347 रन बनाए। जवाब में गोवा ने 4 विकेट पर 239 रन बना लिए हैं। यानी गोवा सिर्फ 108 रन से पीछे है और उसके पास 6 विकेट शेष हैं। यानी मैच अहम मोड़ पर है।

100वां टेस्ट अच्छी शुरुवात के बाद आउट होना दुखद : विराट

मोहाली । टीम इंडिया के धुरंधर बल्लेबाज विराट कोहली के लिए मोहाली टेस्ट यादगार क्षण बन गया क्योंकि इसके साथ ही अपने करियर के 100 टेस्ट पूरे कर लिए। उन्हें आईएस बिंद्रा पीसीए स्टेडियम में शुक्रवार सुबह मैच शुरू होने से पहले सम्मानित भी किया गया। कोहली 100 टेस्ट खेलने वाले 12वें भारतीय तो दुनिया के 71वें क्रिकेटर बन गए हैं। मैच के बाद कोहली ने अपनी विशेष उपलब्धि पर बात की। उन्होंने कहा- राहुल (द्रविड़) भाई ने सुबह मुझसे पूछा था कि आप कैसा महसूस कर रहे हैं? मैंने उनसे कहा, मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं फिर से अपनी शुरुआत कर रहा हूं। सच कहूं तो मेरे पेट में तितलियां थीं। यह एक खास था। कोहली ने कहा कि पहले मुझे इस भयावहता का एहसास नहीं था लेकिन जैसे-जैसे घटनाएं सामने आई, देखकर अच्छा लगा। स्टेडियम में लोग थे, यह एक ऐसा क्षण था जो बहुत ही खास था। कोहली ने इस दौरान बतौर विशेषज्ञ बल्लेबाज मैच में उतरने पर कहा- मेरी मानसिकता बिल्कुल वैसी ही है जैसे कप्तानी के दौरान थी। मैं हमेशा से जिम्मेदार खिलाड़ी बनना चाहता था। कोहली ने अच्छी शुरुआत के बाद आउट होने पर निराशा जताई। उन्होंने कहा- मैं स्पष्ट रूप से निराश था। मुझे अच्छी शुरुआत मिली और वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था। लेकिन आऊट होने से निराशा हुई। मैं देख रहा हूं कि मुझे शुरूआत अच्छी मिलती है। बस आगे कोशिश होगी कि इनको बड़े स्कोर तक ले जाऊं। वहीं, खेल को लेकर नए दृष्टिकोण पर कोहली ने कहा- मैं ठीक वैसे ही तैयारी कर रहा हूं जैसे मैंने पहले की है। जब तक मैं बल्लेबाजी कर रहा हूं और अच्छा खेल रहा हूं, मुझे बिल्कुल भी परवाह नहीं है। हर किसी का नजरिया बहुत अलग होता है; मेरा नजरिया इस समय बहुत अलग है। अगर लोग मुझे खेल के बाद बड़े स्कोर के खेल में नहीं देख पा रहे हैं, तो यह शायद मेरी और उनके मानकों की अपनी अपेक्षाओं पर निर्भर है। मैं लगातार प्रदर्शन कर रहा हूं और इसलिए उम्मीदें हैं।

बहिष्कार की बजाय रूसी खिलाड़ी के खिलाफ उतरी यूक्रेन की स्वितोलिना, पोटापोवा को दी करारी शिकस्त

मैक्सिको सिटी । रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध छिड़ा हुआ है। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव और खारकीव समेत कई प्रमुख शहरों को लगातार निशाना बना रहा है। खेल जगत में रूस का जमकर विरोध हो रहा है। फीफा ने वर्ल्ड कप से रूस को बाहर कर दिया है, तो कई और फेडरेशन ने भी रूस को निलंबित कर दिया है। ऐसे में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने मैच का बहिष्कार करने के बजाय रूस की खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा के खिलाफ मैदान पर उतरी और मुकाबले में करारी शिकस्त दी। मॉन्टेरी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में स्वितोलिना ने रूस की अनास्तासिया पोटापोवा को 6-2, 6-1 से हरा दिया। शीर्ष वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने इससे पहले कहा था कि जब तक पुरुष और महिलाओं के अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में अपने देश का नाम, ध्वज और राष्ट्रगान का उपयोग करने से नहीं रोकते, वह इन देशों के खिलाड़ियों के खिलाफ नहीं खेलेगी। टेनिस की संचालन संस्थाओं ने इसके बाद बयान जारी करके कहा था कि रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति दी जाएगी।

विराट-रोहित समेत सभी खिलाड़ियों ने जताया दुःख, वॉर्न की याद में काली पट्टी बांधकर उतरे खिलाड़ी

मोहाली ।

भारत और श्रीलंका के बीच मोहाली टेस्ट के दूसरे दिन का खेल शुरू हो गया है। मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने 6 विकेट पर 356 रन बना लिए थे। भारत और श्रीलंका के बीच पहले दिन का खेल समाप्त होने के कुछ घंटे बाद ही ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न का निधन हो गया। 52 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने की वजह से वॉर्न का निधन हो गया। इससे पूरा क्रिकेट जगत सदमे में है। मोहली में भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल शुरू होने से पहले दोनों टीमों ने शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि दी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रॉडनी मार्श का निधन भी शुक्रवार को ही हुआ। खिलाड़ियों ने मौन धारण करके दोनों को याद किया। इसके साथ ही भारतीय टीम के खिलाड़ी इन दोनों के श्रद्धांजलि देने के लिए अपने बांह पर काली पट्टी लगाकर खेलने उतरे। श्रीलंका टीम के खिलाड़ियों के हाथों पर भी काली पट्टी बंधी है। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा शेन वॉर्न के जाने की खबर ने दुखी कर दिया। हम सभी क्रिकेट में उनके योगदान को समझते हैं। वह गेंद से अद्भुत कारनामे करते थे। विराट कोहली ने कहा पिछले रात शेन वॉर्न के निधन की खबर मिली। हम अपने जीवन में सब कुछ कर रहे होते हैं और अपनी परेशानियों के बारे में सोचते हैं। लेकिन जल्दी समझ में आता है कि जीवन काफी अप्रत्याशित है। 52 साल की उम्र में गुजरना पूरी तरह से विश्वास से परे है। मैं अविश्वास और सदमे में हूं। वह ईमानदार आदमी थे। उन्हें जानने के लिए आभारी हूं। वे क्रिकेट का खेल खेलने वाले महानतम स्पिनर। कहने की जरूरत नहीं है कि उनकी कमी महसूस होगी। मैं गहरी संवेदना व्यक्त करताहूं। भगवान उसकी आत्मा को शांति दे।

उधर, न्यूजीलैंड में महिला वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले खेले जा रहे हैं। शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबला हुआ। मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की खिलाड़ी अपने हाथ पर दो काली पट्टी बांध कर मैदान में उतरीं। एक शेन वॉर्न और दूसरी रॉडनी मार्श के लिए।

रविंद्र जड़ेजा ने दिखाया कपिल देव जैसा कमाल, ऐसा करने वाले वह दूसरे भारतीय

मोहाली ।

भारतीय टीम के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ मोहली टेस्ट के दूसरे दिन शतक जड़ दिया है। उन्होंने 160 गेंद में 10 चौके की मदद से शतक पूरा किया। 2012 में भारत के लिए पहला टेस्ट खेलने वाले जडेजा की इस फॉर्मेट में यह दूसरी सेंचुरी है। उन्होंने 2018 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहली सेंचुरी लगाई थी। इस मैच में शतक पूरा करने से पहले ही रविंद्र जडेजा खास क्लब में शामिल हो गए। इस क्लब में उनसे पहले सिर्फ एक भारतीय खिलाड़ी था। 68 रन पर पहुंचते ही रविंद्र जडेजा के इंटरनेशनल क्रिकेट में 5000 रन पूरे हो गए। अपने 13 साल के इंटरनेशनल करियर में जडेजा ने 284 मैच खेले हैं। वनडे में उनके नाम 168 मैच में 2411 और टी20 इंटरनेशनल में 58 मैच में 326 रन हैं। टेस्ट में इस मैच से पहले उनके बल्ले से 84 पारियों में 2195 रन निकले थे। जडेजा इंटरनेशनल क्रिकेट में 5000 रन बनाने वाले भारत के 26वें खिलाड़ी हैं। सचिन तेंदुलकर के नाम सबसे ज्यादा 34357 रन हैं। इसके साथ ही जडेजा के नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में 468 विकेट भी हैं। अभी तक 8 भारतीय खिलाड़ियों ने 400 या उससे ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लिए हैं। लेकिन जडेजा 5000 रन बनाने के साथ ही 400 विकेट लेने वाले भारत के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले महान कपिल देव ने यह कारनामा किया है। 1994 में भारत के लिए अंतिम मैच खेलने वाले कपिल देव के नाम 687 विकेट के साथ ही 9031 रन हैं। उन्होंने 356 मैच खेले थे। इसके साथ ही जडेजा नंबर-7 पर बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 1986 में कपिल देव ने कानपुर में 163 रनों की पारी खेली थी। उनसे पहले 1986 में कपिल देव ने कानपुर में 163 रनों की पारी खेली थी। महेंद्र सिंह धोनी इस नंबर पर खेलते हुए श्रीलंका के खिलाफ दो शतक लगा चुके हैं। उन्होंने 2009 में अहमदाबाद में 110 और मुंबई में 100* रन बनाए थे।

पाकिस्तान में स्थितियां बदलीं तो सुरक्षा विशेषज्ञों की राय पर करेंगे अमल : मैकडोनाल्ड

रावलपिंडी । पेशावर की एक मस्जिद में आत्मघाती बम विस्फोट में कम से कम 56 लोगों के मारे जाने के बाद आस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा उनकी टीम सुरक्षित हाथों में है और सुरक्षा विशेषज्ञ उनकी टीम का मार्गदर्शन करेंगे। पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन के खेल बाद मैकडोनाल्ड ने कहा यदि स्थितियां बदलती हैं, तो वे सुरक्षा विशेषज्ञों की राय के अनुसार चलेंगे।दौरे के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर मैकडोनाल्ड ने कहा हमारे सुरक्षाकर्मी यहां हमारे साथ में हैं और वे हमारा मार्गदर्शन करेंगे। दौरे के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर मैकडोनाल्ड ने कहा हमारे सुरक्षाकर्मी यहां हमारे साथ में हैं और वे हमारा मार्गदर्शन करेंगे। दौरे के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर मैकडोनाल्ड ने कहा हमारे सुरक्षाकर्मी यहां हमारे साथ में हैं और वे हमारा मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा रावलपिंडी पहुंचने के बाद से हमारी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया तथा विशेषज्ञ लगातार हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। यदि कुछ बदलाव होता है तो मुझे लगता है कि वे उस बारे में बात करेंगे। आस्ट्रेलिया की टीम 1998 के बाद पहली बार पाकिस्तान दौरे पर आई है और उन्हें राष्ट्राध्यक्षों जैसी सुरक्षा प्रदान की गई है।

शेन वार्न का राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा अंतिम संस्कार

मेलबोर्न ।

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने शनिवार को घोषणा की कि दिग्गज स्पिनर शेन वार्न का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा, जबकि देश के क्रिकेट बोर्ड ने इस महान खिलाड़ी के सम्मान में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के एक स्टैंड का नाम उनके नाम पर रखने का फैसला किया है। क्रिकेट जगत के सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक वार्न का शुक्रवार को थाईलैंड में निधन हो गया। माना जा रहा है कि उन्हें रात में उस समय दिल का दौरा पड़ा, जब वह रात में अपने होटल में थे। मॉरिसन ने कहा कि वार्न के आकस्मिक निधन ने आस्ट्रेलियाई सकते में हैं तथा संघीय और विक्टोरिया सरकार, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और उनके परिवार द्वारा हमारे सर्वकालिक महानतम क्रिकेटरों में से एक' का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। मॉरिसन ने कहा वार्न की राष्ट्रीय उपलब्धियों को देखते हुए उनके परिवार के पास राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की पेशकश की जाएगी। यह वार्न के परिवार के साथ परामर्श से किया जाएगा। इस बीच एमसीजी (मेलबोर्न क्रिकेट ग्राउंड) में ग्रेट सदर्न स्टैंड का नाम भी वार्न के नाम पर रखने का फैसला किया गया। विक्टोरिया के पर्यटन और खेल मंत्री मार्टिन पाकुला ने विक्टोरिया के प्रधानमंत्री डैनियल एंड्रयूज, एमसीसी ट्रस्ट के अध्यक्ष स्टीव ब्रैक्स और एमसीसी के सीईओ स्टुअर्ट फॉक्स के साथ परामर्श करने के बाद शनिवार की सुबह यह घोषणा की। पाकुला ने कहा हम ग्रेट सदर्न स्टैंड का नाम बदलकर एसके वार्न स्टैंड रखेंगे और हम जितनी जल्दी संभव हो, ऐसा करेंगे। वार्न ने अपना 700वां विकेट एमसीजी पर ही लिया था। इसके अलावा उन्होंने इस मैदान पर हैट्रिक भी बनाई थी। स्टेडियम के बाहर इस दिग्गज की प्रतिमा पहले से लगी हुई है। वार्न को श्रद्धांजलि देने के लिए लोग उनकी प्रतिमा के आसपास एकत्र हुए और वहां पर पुष्प, क्रिकेट की गेंद, बियर, सिगरेट आदि चढ़ाए। क्रिकेट विक्टोरिया भी वार्न के सम्मान में जंक्शन ओवल में एक स्टैंड का नाम बदलने की योजना बना रहा है। प्रधानंत्री मॉरिसन ने वार्न को याद करते हुए कहा कि वह हमारे देश के सबसे महान लोगों में से एक थे। याद करते हुए कहा कि वह हमारे देश के सबसे महान लोगों में से एक थे। उनका हास्य, उनका जुनून, उनकी बेपरवाही, उनकी सहजता ने सुनिश्चित किया कि उन्हें सभी का प्यार मिले। उन्होंने कहा शेन जैसा कोई नहीं था। उन्होंने अपना जीवन अपने तरीके से जिया। उनकी उपलब्धियां विशिष्ट थी, लेकिन उन्हें कुछ चीजों के लिये पछतावा भी था। वे इनके साथ ही आगे बढ़े।

प्रधानमंत्री ११-१२ मार्च को गुजरात के दौरे पर आएंगे

कार्यक्रम को दिसंबर में आ रहे गुजरात विधानसभा चुनाव के अभियान की शुरूआत मानी जा रही है

अहमदाबाद।
यूपी में चुनाव का माहौल है ऐसे में वहां पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में रोड शो किया, चाय की चुस्की ली और आधी रात को केंट रेलवे स्टेशन पहुंचे थे।

यह सभी के बीच अब यह जानकारी सामने आई है कि, तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री और हाल के देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के दो दिन के मेहमान बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी इस महीने में ही गुजरात के मेहमान बनेंगे, वह अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड पर आयोजित हो रहे पंचायती राज सम्मेलन में मौजूद रहेंगे। इसके अलावा ११ और १२ मार्च को अपने दौरे के दौरान अन्य कार्यक्रमों में भी वह उपस्थित होंगे। पंचायती राज सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा होंगे और कार्यक्रम को दिसंबर महीने में आ रहे गुजरात विधानसभा चुनाव के अभियान की शुरूआत मानी जा रही है। गुजरात में २४ वर्ष से भाजपा सत्ता पर है, अब आगामी १५ विधानसभा चुनाव में भी भाजपा सत्ता में रहने के लिए और जनता को मनाने के प्रयास जल्दी कर सकते है। प्रधानमंत्री के गुजरात दौरा मामले में सूत्र बताते है कि, पंचायती राज सम्मेलन के अलावा प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कई कार्यक्रमों में भ मौजूद रहेंगे। वह खेल महाकुंभ कार्यक्रम के दौरान भी मौजूद हो सकते है जि सका आयोजन सरदार पटेल स्टेडियम में किया जा सकता है। इसके अलावा पीएम मोदी गांधीनगर में रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में भी मौजूद हो सकते हैं। यह सभी कार्यक्रम सहित वह अपनी मां हीराबा को भी मिलने के लिए गांधीनगर जा सकते है।

सूत्रों का मानना है कि, खेल महाकुंभ कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति को लेकर युवकों के साथ तालमेल बिठाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों ने यह भी बताया है कि, आगामी समय में गुजरात में विधानसभा का चुनाव आ रहा है तब अब समय समय पर वह राज्य की मुलाकात पर आते रहेंगे ऐसी संभावना दिखाई दे रही है।

शहर के वैभव लक्ष्मी मंदिर में माताजी के गहने की चोरी

अहमदाबाद।
वस्त्रापुर के गोयल इंटरसिटी की सामने स्थित वैभव लक्ष्मी मंदिर से माताजी के गहने की चोरी करके चोर फरार हो गये लेकिन दस दिन तक यह मामले में कोई शिकायत नहीं हुई थी।

हालांकि शहर पुलिस ने कई संदिग्ध तत्वों को हिरासत में लेने पर कई चोरी और चेन स्नेचिंग के मामले की जानकारी सामने आने पर यह मामले में शुक्रवार को शिकायत दर्ज कराई गई है। वस्त्रापुर के गोयल इंटरसिटी के पास वैभव लक्ष्मी मंदिर में गत २२-०२-२०२२ को देर रात को चोर घुसे थे। चोरों ने मंदिर की लोहे की जाली तथा बाहर की दीवार की जाली यह दो लॉक तोड़कर माताजी की मूर्ति के पीछे रखी गई चांदी की पायल, सोना के ग्लेट का गला का सेट, माताजी के दो छत्र, एक चांदी का वेढ सहित के गहने की चोरी की थी। इस मामले में मंदिर के पूजारी ने सेवक को फोन करके जानकारी दी।

उन्होंने स्थल पर पहुंचकर जांच करने पर उपरोक्त गहने के चोरी होने की जानकारी मिली। मंदिर के ट्रस्टी और अन्य महाराजा के साथ विचार-विमर्श करके आखिर में शिकायत करने पर लेट हुए होने का बचाव शिकायतकर्ता पूजारी ने किया है। घाटलोडिया, मेमनगर, सेटेलाइट, साइंस सिटी और वस्त्रापुर और अहमदाबाद शहर के लाखों लोगों की आस्था वैभव लक्ष्मी मंदिर और इसके ऊपर की मंजिल पर स्थित श्रीनाथजी की हवेली के साथ जुड़ी हुई है। जिसकी वजह से यह मामले में शिकायत नहीं की गई थी। शहर पुलिस की एक टीम ने फिलहाल में चोरी, लूट और वाहनचोरी के अपराधों में शामिल रहे कई तत्वों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर वैभव लक्ष्मी मंदिर की चोरी सहित कई मामलों का रहस्य खुल जाने स २९,५०० रुपये की मालसामान के माताजी के गहने की चोरी की शिकायत पूजारी पुरव पंडित द्वारा किए जाने की चर्चा लोगों में हैं।

अब हेल्मेट और सीट बेल्ट नहीं लगाया तो होगी कार्यवाही, रविवार से राज्यभर में विशेष ड्राइव

अहमदाबाद।
राज्य में अब हेल्मेट नहीं पहनने और सीट बेल्ट नहीं बांधने वालों की अब खैर नहीं है। रविवार से गुजरात पुलिस विशेष अभियान शुरू करने जा रही है, इसके अंतर्गत हेल्मेट और सीट बेल्ट के नियमों का उल्घन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। यह विशेष अभियान राज्यभर में चलाए जाने की पुलिस को आदेश दे दिया गया है। इसके अंतर्गत 6 मार्च यानी रविवार से राज्यभर में दुपहिया चालक हेल्मेट पहने बगैर या सीट बेल्ट बांधे बगैर कार समेत अन्य वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

इस संदर्भ में शहर पुलिस आयुक्तों और जिला पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर सूचना दी गई है। इसी के साथ कितने चालान काटे गए हैं और कितना जुर्माना वसूला गया है, इसका ब्यौरा दूसरे 8 बजे तक भेजने का भी पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों को आदेश दिया गया है। गौरतलब है कि कोरोना की तीन लहरों के दौरान हेल्मेट नहीं पहनने और सीट बेल्ट बांधे बगैर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की।

उस दौरान केवल उन्हीं लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जाती थी जिन्होंने मास्क नहीं लगाया होता था। अब राज्यभर में कोरोना की तीसरी लहर भी समाप्ति की ओर है, ऐसे में ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू करने के लिए पुलिस हरकत में आ गई है और रविवार से ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर देगी।

गुजरात पुलिस 6 मार्च से लेकर 15 मार्च तक राज्यभर में स्पेशल ड्राइव चलाकर ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवालों के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

आज 312 केन्द्रों पर ली जाएगी पीएसआई की परीक्षा, परीक्षा केन्द्रों पर लगेंगे जामर

अहमदाबाद।
गुजरात में रविवार को पुलिस सब इंस्पेक्टर (पीएसआई) भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली जाएगी। जिसमें 96 हजार से भी अधिक उम्मीदवार परीक्षा देंगे। परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता से निपटने के लिए राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण फैसला किया है। इसके अंतर्गत गुजरात के इतिहास में पहली बार परीक्षा केन्द्रों पर जामर लगाए जाएंगे, जिसकी वजह से मोबाइल कनेक्टिविटी बंद हो जाएगी। इस संदर्भ में पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती बोर्ड के प्रमुख विकास सहाय ने पत्रकार परिषद में बताया कि रविवार, 6 मार्च 2022 को पीएसआई भर्ती के लिए लिखित परीक्षा ली जाएगी। पीएसआई की परीक्षा के 96231 उम्मीदवारों के लिए राज्य में 312 केन्द्रों व्यव-स्था की गई है। 312 केन्द्रों के 3209 क्लास रूम में परीक्षा ली जाएगी और इनमें सीसीटीवी कैमरे होंगे। परीक्षा में किसी प्रकार की अनियमितता से निपटने के लिए प्रत्येक परीक्षा खंड में जामर की व्यवस्था की गई है। ताकि परीक्षा के दो घंटों के दौरान मोबाइल और इंटरनेट कनेक्टिविटी बंद रहे। जबकि पेपर ले जानेवाले वाहनों में जीपीएस और सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी। विकास सहाय ने बताया कि पीएसआई परीक्षा के लिए 15 पन्नों की एक खास एसओपी जारी की गई है। जिसमें परीक्षा खंड के निरीक्षक, बोर्ड और केन्द्र संचालक की क्या जिम्मेदारी है, इसकी जानकारी दी गई है। एसओपी की कॉपी सभी केन्द्रों पर भेज दी गई है। अहमदाबाद में पीएसआई की परीक्षा के लिए खास व्यवस्था की गई है। पुलिस आयुक्त ने परीक्षा केन्द्र के आसपास की जिरोक्स की दुकानें बंद करने का आदेश दिया है। साथ ही परीक्षा केन्द्र में मोबाइल या इलेक्ट्रिक गेजेट ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसके अलावा परीक्षा केन्द्र के आसपास 100 मीटरे के दायरे में 4 से अधिक लोगों के जमा होने पर प्रतिबंध होगा।

पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09035/36 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बोरीवली होली स्पेशल ट्रेन अब बीकानेर तक विस्तारित

अहमदाबाद।
यात्रियों की सुविधा और उनकी मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा ट्रेन संख्या 09035/36 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी-बोरीवली होली स्पेशल ट्रेन को बीकानेर तक विस्तोरित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विशेष ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:-

ज्ञ ट्रेन संख्या 09035/09036 बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर-बोरीवली सुपरफास्ट [2 फेरे]

ट्रेन संख्या 09035 बांद्रा टर्मिनस-भगत की कोठी सुपरफास्ट स्पेशल बुधवार, 16 मार्च 2022 को बांद्रा टर्मिनस से 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.00 बजे बीकानेर पहुंचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09036 बीकानेर-बोरीवली सुपरफास्ट स्पेशल रविवार 20 मार्च, 2022 को बीकानेर से 07.05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04.15 बजे बोरीवली पहुंचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, महेसाणा, पाटन, भीलडी, रानीवाड़ा, मारवाड़ भीनमाल, मोदरन, जालोर, मोकलसर, समदड़ी, लूनी, भगत की कोठी, जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर एवं नोखा स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्याऔ 09035 का बोरीवली स्टे शन पर अतिरिक्त, ठहराव होगा। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और सेकेंड क्लास सीटिंग कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09006 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल के समय में संशोधन

इस ट्रेन के समय में परिवर्तन के फलस्वरूप ट्रेन संख्या 09006 भावनगर टर्मिनस-बांद्रा टर्मिनस होली स्पेशल अब भावनगर टर्मिनस से बुधवार, 16 मार्च, 2022 को 10.10 बजे के बजाय 23.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.35 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 09035 की बुकिंग यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है। उपरोक्त स्पेशल ट्रेन विशेष किराये पर पूर्णतः आरक्षित ट्रेन के रूप में चलेगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

सर्कल इंडिया ने केमिकल, बायोलॉजिकल और रेडियोलॉजिकल, न्यूक्लियर डिफेंस बँकर्स लॉन्च किया

अहमदाबाद मानव प्राणियों और कृषि जीवनी संभाल, सलामती और सुरक्षा के लिए काम करती मानवतावादी संस्था सर्कल ने कठिन परि-स्थतियों के दौरान मानव जीवन की सलामती और सुरक्षा के लिए केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल, न्यूक्लियर डिफेंस (सीबीआरएन डी) बंकर लांच करने की घोषणा की थी। सीबीआरएनडी बंकर सीबीआरएनडी डिफेंस रिसर्च द्वारा बनाया गया है।

ऑनलाइन टेलीमेडिसिन रिसर्च इंस्टीट्यूट मेक खान की स्वनिर्भर संशोधन संस्था है जो सोमचंद दोसा भाई चैरिटेबल ट्रस्ट इंडिया नाम की स्वैच्छिक संस्था के सहयोग में पिछले 30 वर्ष से कार्यरत है। ओटीआरआई विविध विषयों पर सुरक्षा और आरोग्य संभाल के प्रोजेक्ट डेवलप कर रहा है। खास करके दिल्ली हेल्थ केयर क्षेत्र में टेलीमेडिसिन का उपयोग मात्र मानव जाति के लिए मर्यादित नहीं है बल्कि उसका उपयोग प्राणियों, पक्षियों, कृषि पार्क मैनेजमेंट के लिए भी होता है।

संशोधन का प्रथम और दूसरे चरण पूरा हो गया है और वाणिज्य के प्रोजेक्ट कुछ वर्षों से कार्यरत है और वह भारत और दुनिया भर के लोगों को लाभ प्रदान कर रहे हैं।

सीबीआरएनडी बनकर के लॉन्चिंग की घोषणा करते हुए, ऑनलाइन टेलीमेडिसिन रिसर्च इंस्टीट्यूट और सोमचंद डोसा भाई चैरिटेबल ट्रस्ट के डिवीजन, सीबीआरएनडी डिफेंस रिसर्च के चेयरमैन और वरिष्ठ वैज्ञानिक श्री रागेश शाह ने बताया कि हम भारत में पहली बार सीबीआरएनडी बंकर और मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी शुरू करने की घोषणा करते हुए आनंद महसूस कर रहे हैं। हम विभिन्न सरकारी विभागों के साथ मिलकर बंकरो को माइक्रो लेवल तक उपलब्ध कराने के लिए काम कर रहे हैं।

देश का पहला सौर ऊर्जा संचालित पोर्टेबल ट्रैफिक सिग्नल राजकोट में कार्यरत

राजकोट।
सौराष्ट्र की राजधानी माने जाते राजकोट में देश का पहला सौर ऊर्जा आधारित पोर्टेबल ट्रैफिक सिग्नल कार्यरत किया गया। राजकोट के महानगर पालिका चौक में रखे गए पोर्टेबल सिग्नल को शहर ट्रैफिक पुलिस ने रोजर मोटर्स प्राइवेट कंपनी के सहयोग से तैयार किया है। कंपनी ने दावा किया है कि यह सिग्नल देश का पहला पोर्टेबल सौर ऊर्जा संचालित सिग्नल है और इससे बिजली और खर्च की बचत होगी। साथ ही ट्रैफिक सिग्नल पर सेवारत पुलिस जवानों को भी फायदा होगा। रोजर मोटर्स कंपनी ने यह ट्रैफिक सिग्नल डेढ लाख रुपए की लागत से तैयार किया है। इस सिग्नल की विशेषता यह है कि इसे कहीं भी शिफ्ट किया जा सकता है। सौर ऊर्जा संचालित यह ट्रैफिक सिग्नल ऐसी जगह बेहद उपयोगी साबित होगा, जहां भीड़भाड़ और जगह कम होगी। मेक इन इंडिया के कॉन्सेप्ट को सार्थ करनेवाले इस पोर्टेबल सिग्नल में सभी आवश्यक फंक्शन भी उपलब्ध हैं। रोजर मोटर्स के संचालक कृपालसिंह जाडेजा के मुताबिक इस मॉडल को तैयार करने में चार महीने का समय लगा है। कंपनी ने फिलहाल अलग अलग चार मॉडल तैयार किए हैं। ट्रैफिक सिग्नल का फायदा ट्रैफिक सर्कल पर कार्यरत होमगार्ड और ट्रैफिक वार्डन को होगा। रिमोट के जरिए ऑपरेट होने से ट्रैफिक जवान अपनी जगह बैठे बैठे इसका संचालन कर सकेंगे।

सौर ऊर्जा संचालित ट्रैफिक सिग्नल में सूर्य ऊर्जा का सात दिनों तक बेकअप चलेगा, जिससे बिजली की भी बचत होगी। फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत राजकोट महानगर पालिका चौक में सौर ऊर्जा संचालित ट्रैफिक सिग्नल शुरू किया गया है, जिसकी सफलता के बाद शहर के अन्य सर्कलों पर भी लगाया जाएगा।

व्हाइट ओक कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने राजस्थान के जयपुर में अपना कार्यालय खोला

जयपुर।
व्हाइट ओक कैपिटल एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने आज राजस्थान की राजधानी जयपुर में मालवीय मार्ग, अशोक नगर में अपना कार्यालय खोलने की घोषणा की है। यह पहल बी30 स्थानों सहित मेट्रो शहरों से इतर अन्य स्थानों पर जाते हुए भारत को कवर करने की दिशा में उठाया गया एक और कदम है। यह कदम फिजिकल, वर्चुअल और डिजिटल चैनलों समेत सभी माध्यमों में उपस्थिति के जरिए एक उच्च समावेशन प्राप्त करने में मदद करेगा।

एम्फी(AMFI) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान में जनवरी 2022 में प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) की राशि लगभग 64,500 करोड़ रुपये थी, जो भारत में कुल एम एफ इंडस्ट्री के एयू एम का लगभग 1.66% है। बड़ी आबादी और बढ़ती वित्तीय जागरूकता के साथ, राज-स्थान कंपनी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। जीडीपी के मुकाबले भारत का म्यूचुअल फंड एयूएम सिर्फ 12त्न है, जो विश्व स्तर पर अन्य बड़े बाजारों की तुलना में कम है और अगले कुछ वर्षों में इसके दहाई अंकों में बढ़ने की उम्मीद है, जहाँ गैर-महानगरीय क्षेत्र विकास में बड़े पैमाने पर योगदान देने की संभावना है।

इस विकास पर अपनी बात रखते हुए व्हाइट ओक कैपिटल ग्रुप के श्री प्रतीक पंत ने कहा, "हम जयपुर और राज्य के अन्य हिस्सों के लोगों को अपनी सेवाएं और विशेषज्ञता प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। व्हाइट ओक कैपिटल एएमसी खुदरा निवेशकों को सर्वोत्तम श्रेणी के निवेश उत्पाद प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत करता है। यह इंफ्रास्ट्रक्चर राजस्थान राज्य में निवेशकों की मांगों को पूरा करने और वितरण चैनल को मजबूत करने में मदद करेगा।"

नवंबर2021 में, व्हायइट ओक कैपिटल ग्रुप ने येस एएमसी की परिसंपत्तियों का अधिग्रहण पूरा किया। व्हारइटओक कैपिटल एसेट मैनेजमेंट को उनकी पहली इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम के लिए सेबी से मंजूरी मिल चुकी है और इसे जल्दे ही लॉन्चक किया जाएगा।

व्हाइट ओक कैपिटल एसेट मैनेजमेंट के विषय में

यस एएमसी के अधिग्रहण के बाद जनवरी 2022 में व्हाइट ओक कैपिटल म्यूचुअल फंड का गठन किया गया था।व्हाइट ओक की सहायक कंपनी, जीपीएल फाइनेंस (प्रायोजक कंपनी) को सितंबर 2021 में यस म्यूचुअल फंड का अधिग्रहण करने के लिए नियामकीय मंजूरी मिली थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)